RNI NO. RAJHIN/2013/57419

राजस्थान का सर्वाधिक ई-पेपर दैनिक

द पुलिस पोस्ट

अंदोलन नहीं अखबार

जयपुर
मंगलवार
30 जुलाई, 2024

वर्ष: 10: अंक: 104

जयपुर, जैसलमेर, भीलवाड़ा से प्रसारित

दूरभाष: 01482: 433184: पृष्ठ: 08: मूल्य: 1.50 रुपए

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने प्रदेशवासियों को दी कई सौगातें

राशन वालों को 450 रुपए में मिलेगा सिलेंडर, विधायकों के वेतन-भत्ते हर साल बढ़ेंगे: सीएम

द पुलिस पोस्ट/जयपुर

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि 450 रुपये में एलपीजी सिलेण्डर की योजना का दायरा बढ़ाते हुए अब प्रदेश में राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम के सभी लाभार्थियों को 450 रुपये में एलपीजी सिलेण्डर दिया जाएगा। अब तक प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना एवं बीपीएल श्रेणी के परिवारों को इसका लाभ मिल रहा था। मुख्यमंत्री ने सोमवार को राजस्थान विनियोग एवं वित्त विधेयक पर चर्चा के प्रत्युत्तर के दौरान गत सरकार में गठित कर्मचारी वेतन विसंगति परीक्षण समिति की सिफारिशों को लागू करने, पुलिस, आरएसी, जेल प्रहरी, वन रक्षक में अग्निवीर युवाओं को नियुक्ति का प्रावधान, भरतपुर एवं बीकानेर में विकास प्राधिकरण सहित कई महत्वपूर्ण घोषणाएं की। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी गरीब, पिछड़ा एवं अंतिम छोर में बैठे व्यक्ति के उत्थान के लिए 24ग7 कार्य करते हैं। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ने भी सर्वजनहिताय की सोच वाला, समाज के सभी वर्गों-युवा, किसान, महिला, मजदूर, गरीब, असहाय, उपेक्षित और अंतिम छोर पर खड़े व्यक्ति के चेहरे पर मुस्कान लाने वाला बजट दिया है। इस बजट के 10 संकल्पों से हम प्रदेशवासियों की खुशहाली के साथ विकसित राजस्थान का निर्माण करेंगे।

1953 से 2014 के बीच 50 से अधिक बार बर्खास्त हुई राज्य सरकारें

मुख्यमंत्री ने कहा कि 25 जून 1975 भारत के लोकतंत्र में काला दिवस था। उस दिन पूर्व प्रधानमंत्री स्व. इंदिरा गांधी ने अपना पद बचाने के लिए लोकतंत्र की हत्या की। नेताओं को मीसा कानून के तहत जेल में डाला, न्यायालय के अधिकारों पर कुठाराघात किया और मीडिया पर सेंसरशिप लागू की। साथ ही 1953 से 2014 के बीच 50 बार से अधिक राज्यों में चुनी हुई सरकारों को बर्खास्त किया। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार लोकतांत्रिक मूल्यों पर विश्वास करती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार जनहित का काम करती है, नाम बदलने की राजनीति नहीं। पूर्ववर्ती सरकार ने अटल सेवा केन्द्र का नाम राजीव गांधी सेवा केन्द्र करने एवं अन्नपूर्णा रसोई योजना का नाम बदलकर इंदिरा रसोई योजना करने का कार्य किया गया।

भरतपुर एवं बीकानेर में बनेंगे विकास प्राधिकरण

मुख्यमंत्री ने कहा कि भरतपुर एवं बीकानेर यूआईटी का उन्नयन कर वहां विकास प्राधिकरण का गठन करने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि नगरीय निकायों में जन सुविधा के कार्य समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण सम्पादित करने के उद्देश्य से जिला स्तर पर जिला नगरीय आयुक्त की नियुक्ति की जाएगी। उन्होंने कहा कि द्रव्यवती नदी के विकास के लिए नवीन योजना बनाई जाएगी। उन्होंने 10 हजार से अधिक आबादी वाले कस्बों एवं निकटवर्ती गांवों को शामिल करते हुए 100 कलस्टरों में चरणबद्ध रूप से फेकल स्लज मैनेजमेंट के कार्य एवं दौसा शहर में सीवरेज मास्टर प्लान, सूरजगढ़ (झुंझुनूं), सांगोद (कोटा) में सीवरेज लाईन के कार्य, चेचट एवं खैराबाद कस्बों में क्षतिग्रस्त नालों की सफाई एवं पुनर्निर्माण कार्यों की घोषणा भी की।

पेयजल संबंधी 9 कार्यों के लिए 540 करोड़ रुपये की घोषणा

शर्मा ने प्रदेश में पेयजल सुविधा हेतु बीसलपुर पेयजल योजना में अजमेर (फेज-3)-जयपुर (फेज-2) के लिए कॉमन इंटेक वैल मय ट्रांसमिशन लाइन के निर्माण सहित पेयजल संबंधी 9 कार्य 540 करोड़ रुपये की लागत से करवाये जाने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि पेयजल की गुणवत्ता एवं स्वच्छता सुनिश्चित करने के लिए वाटर टेस्टिंग लैब्स को राष्ट्रीय स्तर का बनाकर एनएबीएल से मान्यता प्राप्त करने हेतु 15 करोड़ 50 लाख रुपये व्यय किए जाएंगे। साथ ही, वाटर टेस्टिंग सेंपल्स को जीओ टेगिंग कर ऑनलाइन किया जाएगा।

45 हजार से अधिक भर्तियां, 20 हजार युवाओं को मिली नौकरी

उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ने अल्प अवधि में 45 हजार से अधिक पदों के लिए भर्तियों के विज्ञापन प्रकाशित किये हैं। लगभग 20 हजार युवाओं को सरकारी नौकरी भी प्राप्त हो चुकी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि पूर्ववर्ती सरकार के समय में ईआरसीपी (पूर्वी राजस्थान कैनाल प्रोजेक्ट) के लिए भी कोई एमओयू नहीं किया गया। साथ ही, यमुना जल समझौते के लिए एक मांग पत्र भी नहीं लिखा गया। वहीं हमने प्रदेशहित में इन योजनाओं पर कार्य प्रारंभ किया।

एससीआईएल और गेल से एमओयू कर 4100 मेगावाट क्षमता का होगा सृजन

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश को ऊर्जा क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक और कदम बढ़ाते हुए एससीआईएल और गेल से एमओयू करते हुए 4100 मेगावाट क्षमता का सृजन किया जाएगा। उन्होंने किसानों के खेत पर कुसुम परियोजना/हैम मॉडल के माध्यम से 1000 मेगावाट अतिरिक्त ऊर्जा उत्पादन किए जाने की घोषणा की। साथ ही, प्रदेश में हैम मॉडल पर बैटरी ऊर्जा भंडारण प्रणाली के माध्यम से चरणबद्ध रूप से 2000 मेगावाट विद्युत उत्पादन क्षमता सृजित की जाएगी। उन्होंने ऊर्जा उत्पादन में निजी क्षेत्र को प्रोत्साहन देने के लिए कैप्टिव पावर उत्पादन की सीमा 100 प्रतिशत से बढ़ाकर 200 प्रतिशत करने एवं विभिन्न क्षमता के 4 जीएसएस स्थापित किए जाने की घोषणा भी की।

राजस्थानी साहित्य को बढ़ावा देने के लिए विजयदान देथा साहित्य उत्सव

मुख्यमंत्री ने राजस्थानी साहित्य को बढ़ावा देने के लिए प्रतिवर्ष विजयदान देथा साहित्य उत्सव मनाने सहित विभिन्न आस्था केन्द्रों, पेनोरमा एवं बावड़ी संबंधी विकास कार्यों के लिए भी घोषणाएं की। उन्होंने कहा कि जयपुर एवं जोधपुर में राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के नवीन क्षेत्रीय कार्यालय शुरू किए जाएंगे। उन्होंने एक हजार करोड़ रुपये से अधिक की राशि से 2 लाख 50 हजार हैक्टेयर क्षेत्रफल को सिंचित किए जाने के लिए विभिन्न सिंचाई संबंधी कार्यों करवाये जाने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि किसानों को फसल, फसली रोग एवं विपणन संबंधी जानकारी ऑनलाइन उपलब्ध करवाने के लिए 40 करोड़ रुपये का प्रावधान कर राज किसान साथी प्लेटफॉर्म विकसित किया जाएगा। उन्होंने पंजीकृत गौशालाओं को देय अनुदान में 10 प्रतिशत की वृद्धि, 2 हजार दुग्ध संकलन केन्द्र खोलने, पशु चिकित्सा संस्थानों की स्थापना एवं क्रमोन्नयन, परबतसर (डीडवाना-कुचामन), सेड़वा (चौहटन) एवं भाड़ोती (सवाईमाधोपुर) में कृषि मंडी खोलने तथा 150 बीज बैंकों की स्थापना सहित विभिन्न घोषणाएं की।

चतुर्थ श्रेणी के पदों पर भी होगी भर्ती

मुख्यमंत्री ने कहा कि युवाओं की स्किलिंग एवं अप्रेंटिसशिप के लिए पीएम पेकेज के अंतर्गत प्रदेश के ढाई लाख से अधिक युवाओं को लाभान्वित किया जाएगा। उन्होंने भर्तियों में लगने वाले समय को कम करने के उद्देश्य से दस्तावेज सत्यापन विभागीय स्तर पर कराये जाने एवं विज्ञप्ति उपरांत रिक्तियों की संख्या में 50 प्रतिशत वृद्धि के प्रावधान को बढ़ाकर 100 प्रतिशत किये जाने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि चतुर्थ श्रेणी की भर्ती के नियमों में परिवर्तन किया जाकर इन पदों पर भर्ती की जाएगी। उन्होंने सीईटी के प्रावधानों में बदलाव करते हुए क्वालीफिकेशन हेतु सभी श्रेणियों के लिए न्यूनतम अंक 40 प्रतिशत एवं एससी-एसटी के लिए 35 प्रतिशत अंक किये जाने की घोषणा की। उन्होंने कालवाड़, बनीपार्क (जयपुर) सहित 6 नवीन महाविद्यालयों, 3 नवीन कन्या महाविद्यालयों, बालाहेड़ा (महवा-दौसा) में कृषि महाविद्यालय, 2 पॉलिटेक्निक एवं एक महिला पॉलिटेक्निक सहित शिक्षा के विस्तार की दृष्टि से कई महत्वपूर्ण घोषणाएं भी की।

70 से 75 वर्ष के पेंशनर्स के लिए 5 प्रतिशत अतिरिक्त भत्ता

मुख्यमंत्री ने गत सरकार द्वारा गठित कर्मचारी वेतन विसंगति परीक्षण समिति की वेतन सुधार, वेतन विसंगति संबंधी शेष सिफारिशों को 1 सितंबर, 2024 से लागू करने, राजस्थान कॉन्ट्रेक्चुअल हॉयरिंग टू सिविल पोस्ट्स रूल्स-2022 के अंतर्गत सृजित पदों के नियमित पदों में परिवर्तित किये जाने पर नियुक्ति हेतु 5 वर्ष के अनुभव की निर्धारित पात्रता अवधि में वर्ष 2024-25 में 2 वर्ष की छूट प्रदान किये जाने की घोषणा की। उन्होंने पेंशनर्स को राहत प्रदान करते हुए 70 से 75 वर्ष के पेंशनर्स के लिए 5 प्रतिशत अतिरिक्त भत्ता दिए जाने की घोषणा की।

खुशियारा एवं पण्डेर में औद्योगिक पार्क एवं अजमेर में आईटी पार्क

शर्मा ने युवा उद्यमिता प्रोत्साहन योजना के अंतर्गत 6 प्रतिशत ब्याज पुनर्भरण हेतु ऋण की सीमा बढ़ाकर 2 करोड़ रुपये किए जाने, पीएम विश्वकर्मा योजना के अंतर्गत दस्ताकारों को दिये जा रहे 5 प्रतिशत की दर पर ऋण हेतु 2 प्रतिशत अतिरिक्त ब्याज अनुदान दिये जाने, खुशियारा (बारां) एवं पण्डेर (जहाजपुर)-शाहपुरा में औद्योगिक पार्क एवं अजमेर में आईटी पार्क स्थापित किये जाने की घोषणा की।

1 हजार करोड़ रुपये से बनेंगे अटल प्रगति पथ

इस दौरान शर्मा ने प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना 4.0 के अंतर्गत प्रदेश की ढाई हजार से अधिक ग्रामीण बसावटों को सड़क से जोड़ने का प्रावधान करने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का आभार प्रकट किया। उन्होंने प्रदेश में सड़कों के निर्माण एवं उन्नयन संबंधी कार्यों के लिए 1 हजार 100 करोड़ रुपये के अधिक की राशि के कार्यों की घोषणा की। उन्होंने कहा कि 2 वर्षों में 1 हजार करोड़ रुपये व्यय कर 10 हजार से अधिक आबादी वाले ग्रामीण क्षेत्रों में सीमेंट कंक्रीट के अटल प्रगति पथ निर्मित किए जाएंगे। उन्होंने बड़े शहरों में सार्वजनिक परिवहन के लिए 500 के स्थान पर 1000 ई-बस उपलब्ध करवाये जाने की घोषणा की।

पूर्ववर्ती सरकार ने नहीं की घोषणाओं की क्रियान्विति

उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ठोस कार्य करने की नीति के साथ आगे बढ़ रही है, वहीं पूर्ववर्ती सरकार के समय में केवल थोथी घोषणाएं हुईं। पशुधन बीमा योजना में पशुपालकों का रजिस्ट्रेशन किया लेकिन एक भी पशु का बीमा नहीं किया गया। वहीं प्रतापगढ़, जालौर एवं राजसमंद में मेडिकल कॉलेज खोलने, फिरोजपुर फीडर की मरम्मत के कार्य, जयपुर में विश्वकर्मा एमएसएमई, केन्द्रीय बस स्टैंड-सिंधी कैम्प को मल्टी मॉडल इंटीग्रेटेड आईएसबीटी हब के रूप में विकसित करने सहित कई घोषणाओं की क्रियान्विति नहीं हुई।

डीड राइटर्स की संख्या होगी 5 हजार

शर्मा ने केन्द्रीय सशस्त्र बलों की तर्ज पर अग्निवीर युवाओं को पुलिस, आरएसी, जेल प्रहरी, वन रक्षक में नियुक्ति दिए जाने का प्रावधान करने की घोषणा की। उन्होंने प्रदेश में 100 सीटर राज्य स्तरीय अभय कमांड सेंटर की स्थापना करने, तिजारा (खैरथल) में बॉर्डर होमगार्डस की एक कंपनी तैनात किए जाने, अजमेर/जयपुर स्थित राजस्व मंडल एवं कर बोर्ड का एकीकरण किये जाने, डीड राइटर्स की संख्या दोगुनी कर 5 हजार किये जाने, विभिन्न प्रशासनिक, पुलिस इकाईयों एवं न्यायालयों की स्थापना एवं क्रमोन्नयन सहित अन्य महत्वपूर्ण घोषणाएं भी की। उन्होंने बार काउंसिल को एक बारीय सहायता के रूप में 7 करोड़ 50 लाख रुपये प्रदान करने की घोषणा की।

कांग्रेस के पुराने खिलाड़ी का नया 'खेल', 4 महीने बाद बीजेपी को बाय बाय

द पुलिस पोस्ट/जयपुर

राजस्थान अनुसूचित आयोग के पूर्व अध्यक्ष, पूर्व विधायक और पूर्व सांसद खिलाड़ी लाल बैरवा का महज 4 महीने बाद ही बीजेपी से मोह भंग हो गया है। उन्होंने सोमवार को भाजपा की सदस्यता से इस्तीफा दे दिया है। धौलपुर जिले के बसेड़ी से विधायक रहे खिलाड़ी राम बैरवा ने भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ को पत्र लिखकर कहा है कि भाजपा से कोई शिकायत नहीं है। मेरी विचारधारा मेल नहीं खा रही है। एक इंटरव्यू में उन्होंने कांग्रेस में वापसी के सवाल पर कहा कि नेता सचिन पायलट को लेकर कहा है कि वो हमारे नेता है, उनसे बातचीत होती रही है, समय आने पर देखा जाएगा।

राजस्थान विधानसभा चुनाव 2023 के समय कांग्रेस छोड़ बीजेपी ज्वॉइन की

विधानसभा चुनाव से पहले ही बैरवा कांग्रेस छोड़कर भाजपा में शामिल हुए थे। बैरवा प्रदेश कांग्रेस कमेटी के पूर्व अध्यक्ष और पूर्व उप मुख्यमंत्री सचिन पायलट के समर्थक माने जाते रहे हैं। विधानसभा चुनाव में बैरवा का टिकट कटने से उन्होंने कांग्रेस का दामन छोड़ भाजपा का दामन थाम लिया था। अब वह भाजपा के साथ भी नहीं रह

पाए। उन्होंने भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ इसे लेकर पत्र लिखा है।

बैरवा का दुखड़ा, कैसे कांग्रेस छोड़ी

बैरवा ने मीडिया से बातचीत में बताया कि उन्हें योजनाबद्ध तरीके से कांग्रेस से बाहर निकाला गया था। उन्होंने नए जिलों पर कहा कि कुछ खास चापलूस लोगों की सिफारिश पर राजस्थान के इतने टुकड़े-टुकड़े कर दिए की पंचायत समिति स्तर के क्षेत्रफल वालों को भी जिले बना दिए गए। समाज के टुकड़े कर इतने सामाजिक बोर्ड बना दिए, जिनकी उनको भी जानकारी नहीं। उन्होंने कहा, मैंने 16% अनुसूचित जाति के लोगों के लिए आयोग को संवैधानिक दर्जा देने की बात कही तो क्या गुनाह कर दिया? बैरवा ने गहलोत सरकार के अंतिम 6 माह के कार्यकाल की चार बिंदुओं के आधार पर जांच की मांग की है।

महाभारत में अभिमन्यु जिस चक्रव्यूह में फंसा, वही अब हिंदुस्तान के साथ: राहुल गांधी

द पुलिस पोस्ट/नई दिल्ली

संसद में बजट को लेकर चर्चा हुई। इस चर्चा के दौरान भाषण देते हुए विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण और केंद्र सरकार पर जमकर हमला बोला। राहुल ने कहा कि कुरुक्षेत्र की लड़ाई में जिस तरह अभिमन्यु को फंसाया था, उसी तरह इस 21वीं सदी में पूरे हिंदूस्तान को चक्रव्यूह में फंसाया गया है। राहुल ने आगे कहा कि 6 लोगों ने अभिमन्यु को फंसाकर मारा था और उसी तरह इस समय भी 6 लोग ही देश को चक्रव्यूह में फंसा रहे हैं। राहुल ने कहा इसे पीएम मोदी, अमित शाह, मोहन भागवत, अजित डोभाल, मुकेश अंबानी और अदाणी जी कंट्रोल कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि सिर्फ ये 6 लोग ही देश को चलाने का काम कर रहे हैं। छाती पर चक्रव्यूह का साइन लेकर घूम रहे पीएम चक्रव्यूह का दूसरा नाम पद्म होता है, मतलब लोटस होता है। 21वीं सदी में नया चक्रव्यूह भी लोटस की शेप में है और उसका चिन्ह पीएम मोदी अपनी छाती पर लगाकर घूमते हैं।

पहले तोड़ी टांग, अब बैंडेज लगा रहे

राहुल गांधी ने आगे कहा कि मोदी सरकार ने कोरोना काल में छोटे बिजनेस को खत्म कर दिया। उससे देश की रीड की हड्डी टूट गई है। उन्होंने कहा कि बजट में युवाओं के लिए कुछ नहीं किया गया। राहुल ने कहा कि एक इंटर्नशिप प्रोग्राम की बात की गई और आपने कहा कि 500 बड़ी कंपनियों में युवाओं को नौकरी दी जाएगी, लेकिन 99 फीसद युवाओं को इससे लेना देना नहीं है, तो इसका मतलब है कि आपने पहले टांग तोड़ दी और फिर बाद में आप बैंडेज लगा रहे हैं। राहुल ने आगे कहा कि पूरे देश की अर्थव्यवस्था केवल दो लोगों के हाथों में है। उन्होंने पहले अडानी और अंबानी का नाम लेकर मोदी सरकार पर हमला बोला। इसके बाद संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू द्वारा टोके जाने पर राहुल गांधी ने कहा कि अब मैं नाम नहीं लूंगा लेकिन ए1 और ए2 कह दूंगा।

किसानों को भी चक्रव्यूह में फंसाया

राहुल ने कहा कि इस सरकार ने किसानों को भी चक्रव्यूह में फंसाया है। उन्होंने कहा कि किसानों का एक प्रतिनिधिमंडल मुझसे मिलने आया, लेकिन उन्हें मुझसे नहीं मिलने दिया जा रहा था। राहुल ने कहा कि देश के अन्नदाता केवल एमएसपी की लीगल गारंटी मांग रहे हैं, लेकिन बजट में कुछ नहीं किया गया। राहुल ने इसी के साथ पेपर लीक का भी मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि युवाओं को उम्मीद थी कि बजट में वित्त मंत्री नीट पेपर लीक पर कुछ तो बोलेंगी, लेकिन उन्होंने कुछ नहीं बोला।

सुप्रीम कोर्ट में कम होगा मुकदमों का बोझ

सुप्रीम कोर्ट में पहली बार शुरू हुई पांच दिवसीय विशेष लोक अदालत

द पुलिस पोस्ट/नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने पहली बार विवादों के सौहार्दपूर्ण तरीके से समाधान के लिए सोमवार को दोपहर दो बजे से विशेष लोक अदालत की शुरुआत की, जिसमें मीडिया कैमरों को भी अदालत कक्षों के अंदर जाने की अनुमति दी गई है। 29 जुलाई से लेकर 3 अगस्त तक चलने वाली इस विशेष लोक अदालत में हजारों मामले निपटने की उम्मीद है। मालूम हो कि सुप्रीम कोर्ट अपनी 75वीं वर्षगांठ पर पहली बार पांच दिवसीय विशेष लोक अदालत का आयोजन कर रहा है। प्रधान न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली अदालत सहित सुप्रीम कोर्ट की सात अदालतों में विशेष लोक अदालतें लगेंगी जो मध्यस्थता करते हुए पक्षकारों की रजामंदी से विवादों को निपटाएंगी। वहीं, मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ ने कहा कि सर्वोच्च न्यायालय की पहली सात पीठें दोपहर दो बजे विशेष लोक अदालत में मामलों की सुनवाई करेंगी। उन्होंने कहा कि विशेष लोक अदालत का मुख्य उद्देश्य कोर्ट में लंबित मामले को कम करना है। आज से शुक्रवार तक हम सर्वोच्च न्यायालय की लोक अदालत लगाएंगे और इसके लिए पहले सात पीठ बैठेंगे। यदि वकीलों के पास ऐसे मामले हैं जो लोक अदालत में जा सकते हैं, तो कृपया उन्हें लेकर आएं।- डीवाई चंद्रचूड़, प्रधान न्यायाधीश शीर्ष न्यायाधीश ने इससे पहले लोगों से विशेष लोक अदालत में आने का अनुरोध किया था। उन्होंने कहा था कि लोक अदालत हमारे नागरिकों से संबंधित मामलों को पूरी तरह से स्वैच्छिक, सहमतिपूर्ण तरीके से उनकी संतुष्टि के अनुसार हल करने के लिए एक बहुत ही अनौपचारिक प्रौद्योगिकी-आधारित समाधान का प्रतिनिधित्व करती है। उन्होंने शीर्ष अदालत में लंबित मामलों को लेकर कहा कि लोग इसका लाभ उठाएं। मालूम हो कि विशेष लोक अदालत में वैवाहिक विवाद, संपत्ति विवाद, मोटर दुर्घटना दावा, जमीन अधिग्रहण, मुआवजा, सर्विस और लेबर आदि मामलों का निपटारा किया जाएगा। लोक अदालतें मध्यस्थता के जरिए विवाद के हल का मंच उपलब्ध करा लंबित मामलों के सौहार्दपूर्ण समाधान की राह बनाती हैं।

विश्व हिंदू परिषद बजरग दल द्वारा ने निकाली कावड़ यात्रा गली गली में गूजे भोले नाथ के जयकारे

द पुलिस पोस्ट

सावन के दूसरे सोमवार को विश्व हिंदू परिषद बजरग दल बजंरगी मित्र मंडल द्वारा कावड़ यात्रा निकाली गई जिसमें 108 कावड़ यात्रा में भाग लिया। कावड़ रात्रा प्रांत 9 बजे सजय कॉलोनी खेड़ा कुड़ माताजी के यहां से प्रारभ हुई। जिसमे विश्व हिन्दू परिषद के विभाग मंत्री गणेश प्रजापत व विभाग सम्पूर्ण प्रमुख विजय ओझा ने ओम प्रकाश लढ़ा अखिलेश व्यास भगवा ध्वज दिखाकर के कावड़ यात्रा को प्रारंभ किया। सभी कावड़ियों को भगवा दुपता पहनाकर सुवागत किया कावड़ यात्रा संजय कॉलोनी से नेहरू रॉड,सांगानेर गेट,सहीद चोक,बड़े मंदिर,सराफा बाजार,महाराणा टाकीज,सिंधु नगर,बड़ला चोराये,होते हुए हुए पावन धान धाम हरनी महादेव में संपन्न होगी। जिसमें पुरी कॉलोनी वासियों ने बढ़ चलकर भाग लिया और जगह-जगह पुष्प वर्षा का स्वागत किया। इस मौके पर विष्णु सिखवाल,सावर माली,पंकज सेन,अर्जुन माली ,नंदकिशोर माली,महावीर साहू आदि लोग मोजुद रहे।

गर्ग ब्राह्मण समाज की बैठक सम्पन्न गर्ग ऋषि पंचमी पर होंगे विभिन्न आयोजन

द पुलिस पोस्ट

भीलवाड़ा श्री गर्ग ब्राह्मण नवयुवक समाज संस्थान भीलवाड़ा की बैठक संस्थान के बापू नगर स्थित भवन पर रविवार को महंत श्री मोहन शरण शास्त्री (निम्बार्क आश्रम) एवं ब्रह्म शक्ति मेवाड़ की नीलम शर्मा की सरंक्षता में एवं संस्थान के अध्यक्ष की अध्यक्षता में आयोजित की गई जिसमें महर्षि गर्ग ऋषि जयंती समारोह धूमधाम से मनाने एवं विभिन्न कार्यक्रमों का रुपरेखा तैयार की गई एवं क्रिकेट प्रतियोगिता GPL-2 का आयोजन हेतु निरजंन गर्ग को जिम्मेदारी सोपी गई एवं महंत श्री मोहन शरण द्वारा क्रिकेट प्रतियोगिता का पोस्टर विमोचन एवं समाज के उपस्थित नव युवक वरिष्ठ जन व मातृ शक्ति द्वारा वृक्षा रोपण किया गया। युवा वर्ग से अभय, राजेन्द्र, मोहित, विजय, मनिष, निरज संजू, गौरव, पंकज, सौरभ गर्ग नव युवकों द्वारा जयंति पर आयोजित होने वाले कार्यक्रम के प्रति जोश से सम्पन्न करने का संकल्प लिया गया।

जन्माष्टमी को लेकर आवश्यक बैठक रखी गई

द पुलिस पोस्ट

शिवगंज आज शाम 4:00 बजे श्री गोकुल मित्र मंडल की अति आवश्यक बैठक शहर के करलेश्वर महादेव मंदिर में आगामी कार्यक्रम जन्माष्टमी को लेकर की गई है जिसमें सभी कार्यकताओं को अलग-अलग जिम्मेदारी सौंप गई है जिसमें 25 अगस्त को दोपहर महिला भजन संध्या व रात्रि को विशाल भजन संध्या रखने व 26 अगस्त को दोपहर में महिला द्वारा ब्यावला व रात्रि को विशाल भजन संध्या व रात्रि में कृष्ण जन्माष्टमी महा आरती प्रसाद वितरण तथा 27 अगस्त को सुबह महा आरती 56 भोग प्रसाद व भव्य शोभा यात्रा निकालने व रात्रि में क्रेन वाली मटकी फोड़ कार्यक्रम रखने का निर्णय किया है जिसमें मंडल अध्यक्ष गोविंद माली उपाध्यक्ष अर्जुन गहलोत कोषाध्यक्ष मनीष सोनी संयोजक रानू गोस्वामी सदस्य मुकेश कुमावत सुरेश प्रजापत दिलीप भारती सरवन प्रजापत कैलाश बरोलिया कुणाल सोनी नरेश सोनी संजय सुथार मोहित कुमार अशोक भाई मंडल के कई कार्यकर्ता उपस्थित रहे

मुक्तेश्वर महादेव मंदिर प्राकृतिक प्राचिन शिवलिंग पर जलाभिषेक किया

द पुलिस पोस्ट

दैसुरी आज पवित्र श्रावण मास के द्वितीय सोमवार को श्री मुक्तेश्वर महादेव मंदिर नारलाई नाडोल मेगा हाइवे रोड देसूरी पर प्राकृतिक प्राचीन शिवलिंग पर योग गुरु बाबा मांगू नाथ महाराज द्वारा दूध, जलाभिषेक पूजा अर्चना कर देश प्रदेश में सुख शांति खुशहाली अच्छी वर्षा विश्व मंगल कल्याण के लिए कामना की गई यहां श्रावण मास में प्राकृतिक प्राचीन शिवलिंग के दर्शन के लिए भक्तों की भीड़ उमड़ रही है भक्त कहते हैं कि यहां प्राकृतिक प्राचीन शिवलिंग के दर्शन कर शीश नमन करने से उनकी मनोकामना पूर्ण होती है भक्त ऐसा कहते हैं यहां बहुत ही सुन्दर रमणीय पर्यटक स्थल जैसा पहाड़ी पर स्थित है चारों और हरियाली छाई हुई है बहुत ही शानदार स्थल देखने लायक है यहां योग गुरु बाबा मांगू नाथ महाराज का धूणा जो गुफा में स्थित है जय भोले नाथ शिव बाबा सबका भला करना

अवैध बजरी माफियाओ ने ट्रेक्टर ट्राली से अधेड़ को कुचला,इलाज के दौरान तोड़ा दम,हत्या का मुकदमा दर्ज

फूलिया कलां थाने के बाहर ग्रामीणों का जमकर प्रदर्शन व नारेबाजी,सैकड़ो की तातात में ग्रामीण हुए एकत्रित

द पुलिस पोस्ट

शाहपुरा@(किशन वैष्णव) जिला मुख्यालय के फूलिया कलां में बीती रात्रि एक अधेड़ की मौत को लेकर अल सुबह आक्रोशित ग्रामीणों ओर परिजनों ने फूलिया कलां थाने के बाहर जाम लगा कर प्रदर्शन शुरू कर दिया तथा हत्या का मामला दर्ज कर हत्या करने व ट्रेक्टर से कुचलने वाले लोगो के खिलाफ कार्यवाही कर गिरफ्तार करने पर अड़ गए तथा शव का पोस्टमार्टम नही करवाने और शव उठाने से इंकार कर दिया।थाने के बाहर ग्रामीण और परिजन सड़क पर बैठ कर वाहनों की आवाजाही को रोक दिया तथा जाम लगा दिया।देर शाम तक परिजनों और ग्रामीणों में सहमति नही बनी जिससे जन आक्रोश और बढ़ गया।क्षेत्र की मानसी नदी के पेटे पर मृतक का खेत बताया जा रहा है जहा से होकर गुजरने वाले बजरी माफियाओं ने ट्रेक्टर से कुचलने की वारदात सामने आई है।जानकारी के अनुसार मृतक रामलाल लोधा के भतीजे बंशी लाल ने पुलिस को रिपोर्ट दी और बताया की मेरा काका रामलाल पुत्र हरदेव लोधा अपने खेत पर ही रखवाली करने के लिए रात्रि में रहता हैं।बीती मध्य रात्रि को खेत के पास से अवैध बजरी परिवहन करने वाले ट्रेक्टर गुजर रहे थे।उनकी आवाज सुन कर रामलाल ने ट्रैक्टरों को रोकने की कोसिस बजरी माफियाओं ने रामलाल के साथ लोहे की टामी व लकड़ियों से मारपीट की तथा उसके दोनो पैरो पर ट्रेक्टर चढ़ा दिया जिससे रामलाल के सिर व पूरे शरीर पर गंभीर चोटे

आई।तथा रामलाल अधमरा और अचेत अवस्था में खेत पर सुबह उसके पुत्र पप्पू लाल और छोटू लाल को मिला।उनकी सूचना पर में और अन्य परिजन खेत पर गए।अचेत अवस्था में मेरे काका को फूलिया कलां अस्पताल पहुंचाया जहां से शाहपुरा रेफर कर दिया।वही अस्पताल घायल और गंभीर अवस्था में मृतक ने भतीजे बंशी लाल को बताया की उसके साथ मारपीट बजरी माफियाओ ने की।शाहपुरा जिला अस्पताल में उपचार के दौरान डॉक्टरों ने रामलाल को मृत घोषित कर दिया।वही रिपोर्ट में परिवादी ने बताया की उक्त घटना को अंजाम बजरी का अवैध दोहन करने वालो ने दिया है मेरे काका की हत्या की गई है।उन्होंने बताया की कही बार बजरी माफियाओं और हमारे बीच झड़प भी हो चुकी है बजरी माफिया रात्रि में हमारे खेतो के पास से अवैध बजरी दोहन करते हैं।आक्रोशित ग्रामीण पुलिस थाने के अंदर चले गए तथा नारेबाजी कर प्रदर्शन किया।मामले को बिगड़ता देख प्रशासनिक आला अधिकारी एडीएम सुनील कुमार,अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक चंचल मिश्रा सहित शाहपुरा,गुलाबपुरा, रायला,बनेड़ा,पंडेर जहाजपुर,केकड़ी थाने का जाप्ता बुलाया गया।

ग्रामीणों ने भी बजरी माफियाओ के खिलाफ कलेक्टर के नाम दिया ज्ञापन

समस्त फुलिया कलां के ग्रामीणों ने जिला कलेक्टर राजेंद्र सिंह शेखावत के नाम अतिरिक्त जिला कलेक्टर सुनील पुनिया को ज्ञापन दिया जिसमे बताया की अवैध बजरी माफिया जो घटना में लिप्त अभियुक्तो के खिलाफ कड़ी कार्यवाही एवं मृतक के परिजनों को 50 लाख के मुआवजे की मांग की गई।उन्होंने बताया की अवैध बजरी दोहन करने वाले आए दिन ऐसी घटनाएं कारित कर चुके हैं जिससे ग्रामवासियों में रोष व्याप्त है वही ज्ञापन में बताया की माफियाओं ने जानबूझ कर रामलाल की हत्या की है।वही थानाधिकारी देवराज सिंह ने बताया की मौके पर जांच के लिए एफएसएल टीम पहुंच चुकी है साक्ष्य जुटाने का प्रयास कर रही है।पुलिस प्रशासन और ग्रामीणों के बीच बार बार हुई वार्ता के बाद भी सहमति नही बन पाई।ग्रामीणों की मांग है की घटना कारीत करने वाले हत्या में संलिप्त अभियुक्तगणों की तुरंत प्रभाव से गिरफ्तारी हो लेकिन ग्रामीण चाहते हैं की वाहनो को पुलिस थाने लाए,जिसको लेकर सड़क जाम कर प्रदर्शन व नारेबाजी जारी है।खबर लिखने तक किसी प्रकार की कोई सहमति पुलिस प्रशासन और ग्रामीणों के बीच नही बनी थी।

7 थाने का जाप्ता बुलाया,प्रदर्शनकारी थाने में घुसे पुलिस ने खदेड़ा।

अधेड़ किसान की ट्रेक्टर से कुचलकर हत्या करने के मामले में पूरा फुलिया कलां सहित आस पास के छोटे गांव भी उलट गए उनका कहना है की आए दिन बजरी माफिया परेशान करते हैं उनकी दबंगई और गुंडागर्दी से आमजन परेशान हो गया। सैकड़ों की संख्या में प्रदर्शनकारियों को संभालने के लिए शाहपुरा,बनेड़ा,गुलाबपुरा,रायला, पंडेर,जहाजपुर और केकड़ी थाने का पुलिस जाप्ता बुलाना पड़ा।लेकिन आक्रोशित जनता कहा मानने वाली थाने के मुख्य द्वार से अंदर जा घुसी तथा नाराबाजी करने लगे जिसके बाद पुलिस ने समझाइश कर बाहर निकाला वही पुलिस थाने के अंदर घुसी महिलाओ के हाथो में पत्थर भी नजर आए।

8 घंटे तक रहा मुख्य सड़क मार्ग जाम,रोडवेज सहित अन्य संसाधन रहे बाधित।

ग्रामीणों के विरोध प्रदर्शन के कारण 8 घंटे तक केकड़ी फुलिया कलां का मार्ग अवरूद्ध रहा जिससे सरकारी रोडवेज सहित अन्य संसाधन की आवाजाही बंद रही तथा दिन भर फुलिया कलां गांव का बाजार बंद रहा वही ग्रामीणों ने पुलिस पर भी मिलीभगत का आरोप लगाया है मामला और जनाक्रोश को बढ़ते देख 7 थानों का जाप्ता बुलाया गया तथा थाने का मुख्य गेट बंद रख कर जाप्ता दरवाजे पर लगाया गया।

श्री खड़केश्वरी योगी राजनाथजी के सानिध्य में एव गुजरात के जूनागढ़ के हरण पंडित करवा रहे हैं पार्थिव शिवलिंग पूजा

द पुलिस पोस्ट

शिवगंज से कामबेश्वरजी महादेव मंदिर जाने वाले मार्ग पर शनिधाम आश्रम में चल रहा सवा लाख पार्थिव शिवलिंग पूजा के अंतर्गत पूजा करवा रहे गुजरात के जूनागढ़ के हरण पंडित एवं महेश दास ने बताया कि पार्थिव शिवलिंग बनाकर विधिवत पूजन अर्चना करता है वह सवर्ण मे निवास करता है शिवपुराण में लिखा है कि पार्थिव शिवलिंग पूजन सभी दुखों को दूर करने सभी मनोकामना पूर्ण करता है यदि प्रतिदिन पूजन किया जाए तो इस लोक तथा परलोक में भी अखंड शिव भक्ति मिलती है इसी के पर्यवेक्षक में शनि धाम आश्रम में श्री श्री 1008 योगी रवीनाथजी महाराज के इच्छा अनुसार योगीराज श्री खडकेशवरी राजनाथजी के सानिध्य में सवा लाख शिवलिंग का अनुष्ठान आंदोलन चल रहा है सवा लाख पार्थिव शिवलिंग की पूजा का

आज तीसरा दिन है और पूरे सावन माह यह पूजा हनुमंत्रण जारी रहेगी सभी क्षेत्रवासियों गुरु भक्तों शनि भक्तों से निवेदन है कि जो भी भक्त पूजन बैठना चाहते हैं वह जोड़े सहित स्वप्न लोक अपना नाम आश्रम महंत योगी खंडेश्वरी राजनाथ जी अथवा महेंद्र रावल प्रकाश बोराणा के पास आकर संपर्क कर पार्थिव शिवलिंग पूजन अनुष्ठान में अपना नाम नोट करवा सकते हैं पूजा सुबह 8:00 बजे से दोपहर 2:00 बजे तक चलेगी बीच में नाश्ते का कार्यक्रम रहेगा 1008 श्री रविदासजी के संकल्प के अनुसार यह पूजा संपूर्ण क्षेत्र की उन्नति एवं कल्याण सुख शांति समृद्धि के लिए की जा रही है पूजा में बैठने वाले भक्तों का कोई शुल्क निर्धारित नहीं है आप भक्तजन अपनी इच्छा अनुसार योगी राजनाथ जी से संपर्क कर इच्छा अनुसार सहयोग राशि लिखवा सकते है आते सभी से नहीं भक्तों गुरु भक्तों से भक्तों से निवेदन है कि आप आश्रम में समय पर पधारकर और अपने क्षेत्र के कल्याण के लिए अपने कल्याण के लिए पूजन में बैठकर अपनी सेहत का निबंध वह शनि मंदिर बन रहा बाबा का मंदिर में सहयोग करें

बुजुर्गों के अनुभव से बच्चे सीखे-इंदा

द पुलिस पोस्ट

शिवगंज- मॉडर्न डिफेंस सीनियर सैकंडरी स्कूल शिवगंज का इंवेस्टचर(अलंकरण)कार्यक्रम पुलिस उप अधीक्षक भवानी सिंह इंदा के मुख्य आतिथ्य में संम्पन्न हुआ।कार्यक्रम का शुभारंभ माँ सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया गया।मुख्य अतिथि को संस्था निदेशक नरेंद्र सिंह राजपुरोहित ने माला पहनाकर कर स्वागत किया व जगजीत सिंह राजपुरोहित ने राजस्थान कीआन बान शान साफा पहनाकर स्वागत किया।विद्यालय की छात्राओं ने भारतीय संस्कृति अनुसार तिलक व कुम कुम से स्वागत किया।कार्यक्रम में छात्र छात्राओं को हैड बॉय, हैड गर्ल्स, हॉउस कैप्टन की जिम्मेदारी सौंपी और शपथ दिलाई।जिसमे हैड बॉय शिवराज सिंह व हैड गर्ल्स मोनिका विश्नोई को चुना गया।इस अवसर पर गायन प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर रही कशिश डांगी, द्वितीय यथार्थ गर्ग,तृतीय विधि रावल, दिव्या माथुर,रिया देवड़ा तथा चित्रकला प्रतियोगिता सीनियर वर्ग में प्रथम ह्रदन सोमपुरा, रिमझिम, द्वितीय योगिता अग्रवाल, धार्मिक सोनी,तृतीय हेत, टीना सोनी,जूनियर वर्ग में प्रथम हूरिता द्वितीय आबान खान, तृतीय ऋषिका को प्रमाण पत्र व मैडल प्रदान कर मुख्य अतिथि ने सम्मानित किया। इस अवसर पर संस्था निदेशक नरेंद्र सिंह राजपुरोहित ने मुख्य अतिथि को संस्था का परिचय कराते हुए कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में जिले का सर्वश्रेष्ठ विद्यालय है।खेल में भी संस्था का जिले में विशेष स्थान है।प्रति वर्ष विद्यालय से करीब 30-35 खिलाड़ी राज्य स्तर पर जिले का प्रतिनिधित्व करते हैं।साथ ही विद्यालय की

गतिविधियों से अवगत करवाया। मुख्य अतिथि भवानी सिंह इंदा ने छात्रों को सम्बोधित करते हुए कहा कि जीवन में अनुशासन का विशेष महत्व होता है ओर आपके विद्यालय का आदर्श ही अनुशासन है।मॉडर्न डिफेंस स्कूल का जिले में नही राजस्थान में नाम है आप भाग्यशाली हो जो ऐसी संस्था से जुड़े हुए हो।साथ। ही बच्चों को आज के मोबाइल युग मे जहां तक हो सके सोशल मीडिया व मोबाइल से दूर रहने की सलाह दी।जीवन मे सफल होना है तो आपको हमेशा अनुशासन का पालन करते हुए अपने बड़े बुजुर्गों व माता पिता गुरुजनो की सलाह से कार्य करना चाहिए।इससे कभी आप गलत राह में नही जा सकते।इस अवसर पर संस्था के सहायक निदेशक भानुप्रताप सिंह राजपुरोहित, महावीर सिंह, जब्बर सिंह, उमेश त्रिवेदी, दीपक अग्रवाल, तौसीफ खान, हरीश अग्रवाल, सुखदेव सिंह, किरण मालवीया, लक्षण सिंह, नेहा चौधरी, रीटा त्रिवेदी,,मोहिनी सोनी, मीनू माथुर, प्रफुल्ल बोहरा, ईश्वर सिंह, गणेश राठौर ,अश्विन परमार,निखिल वैष्णव सहित विद्यालय परिवार के समस्त स्टाफगण उपस्थित रहे।मंच सचालन ऋषभ नागर ने किया।

बाबा अमरनाथ यात्रियों की सेवा के लिए सेवादार गहलोत बालटाल जयपुर भण्डारे मे सेवा देकर आनंदित हुए

ग्यारह सालो से जम्मू बेस कैम्प मे सेवा देते थे गहलोत

द पुलिस पोस्ट

शिवगंज राजस्थान का एक छोटा कस्बा शिवगंज के व्यापारी एवं समाजसेवी तथा भोले बाबा के सेवादार धनराज गहलोत 11 साल जम्मू बस कैंप अमरनाथ यात्रा की सेवा देने के बाद इस वर्ष 2024 में जम्मू से 380 किलोमीटर दूर बालटाल कैंप के पास राजस्थान के जयपुर भंडारे में अमरनाथ यात्रियों की सेवा देने पहुंचे बालटाल का जयपुर भंडारा भारतीय सनातन संस्कृति को आज भी बना रखा है भोले की शादी में आने वाले हर अमरनाथ यात्रियों की हाथ जोड़कर मीठी मनवार व अभिवादन के साथ आसन व चौकी लगाकर हर यात्रियों को भोजन बैठाकर करवाया जाता है जयपुर भंडारे के सेवादार पंकज सोनी गिरधारी राज शर्मा प्रतीक गोयल गौरव गुप्ता अमरनाथ यात्रा की सेवा हेतु हर समय अपने पलक पावडे बिछाए रखते हैं राजस्थानी व्यंजन दाल बाटी चूरमा का आनंद एक गरिमा बना रखता है हिंदुस्तान के कोने-कोने से आने वाली यात्रियों के लिए भोजन के

साथ-साथ अच्छी चाय नाश्ता पीने व स्नान के लिए गर्म पानी साफ सुथरा लैट्रिन बाथरूम यात्रीगणो ठहरने के लिए सुविधा तथा भोजन के 72 तरह के व्यंजन की व्यवस्था रखती है धनराज गहलोत ने बताया इस बार मेरी सेवा सहायता बालटाल भंडारे में होने से राजस्थान के शिवगंज सुमेरपुर आसपास के यात्रीगण जो मुंबई से व्यवसाय करते हैं तथा हरे कृष्णा संस्था से संबंधित यात्रियों का जत्था बालटाल पहुंचने पर सेवा का सौभाग्य मिला पहली बार बालटाल भंडारे पर मालूम पद की जयपुर भंडारे के साथ-साथ बहुत शानदार बड़े-बड़े सेवाभावी भंडारे लगते हैं यहां से गुफा श्री यात्रा सिर्फ 16 किलोमीटर होती है जगह-जगह यात्रियों के ठहरने व मेडिकल की सुविधा उपलब्ध रहती है बालटाल में लगने वाले भंडारे श्री विशेषता रहती है की आने वाले यात्रियों से किसी भी तरह का चंदा सहयोग भंडारे में आरती पर चढ़ावा नहीं लिया जाता जयपुर भंडारे में 10 किलोमीटर तक एलाउंसमेंट की सुविधा रहती है गहलोत ने बताया कि मानव सेवा सबसे बड़ी सेवा है तथा अनदान महादान इस उद्देश्य पर चलकर से वन में बाबा रामदेव जाने वाले यात्रियों की सेवा जम्मू तथा इस वर्ष बालटाल में अमरनाथ यात्रा को सेवा का लाभ मिला अथवा परम सौभाग्य मानते हैं इस बार जम्मू कश्मीर में आतंकवाद के हमले का डर व शिवलिंग कम समय तक रहने पर अमरनाथ यात्रा की संख्या कम हो रही है बाबा अमरनाथ यात्रा की सेवा कर सेवादार धनराज गहलोत बहुत ही आनन्दीय रहते हैं हर वर्ष एक माह से अधिक बाबा अमरनाथ यात्रियों की सेवा करते हैं यहां शिवगंज में लगने वाले बाबा रामदेव भंडारे में धनराज गहलोत बड़ी सेवा देते थे वह हर वर्ष अंबे माता मंदिर में नवरात्रि में उनके सानिध्य में डांडिया रास कार्यक्रम होता है जो आज भी नियमित चालू है नवरात्रि में 9 दिन वह पूर्णिमा के दिन बड़ी धूमधाम से आरती व डांडिया रास कार्यक्रम किया जाता है शिवगंज माली समाज के उपाध्यक्ष समाज साथ सामाजिक सेवा में भी हर वक्त सेवा करते हैं

पालिका प्रशासन ने नक्शे में जनता के लिए छोडी गई सुविधा की भूमि पर से अतिक्रमण क्यू नही हटाती है

क्या पालिका अधिकारी व अध्यक्ष भूमाफियाओ के हाथों फैसेलिटी व ओपन लैण्ड बेच रहे हैं

खरबो की जमीन जो आम जनता की होती है वह लाखों मे बेचकर अधिकारी चले जाते हैं पर शिवगंज की जनता को रोना ही है बिना सुविधा से

ओपन लैण्ड भूमि अपने नाम करदी करन नगर मे तब ही यह भूमाफिया व अधिकारी के विरुद्ध धोखाधड़ी का मुकदमा दर्ज होना चाहिए

द पुलिस पोस्ट

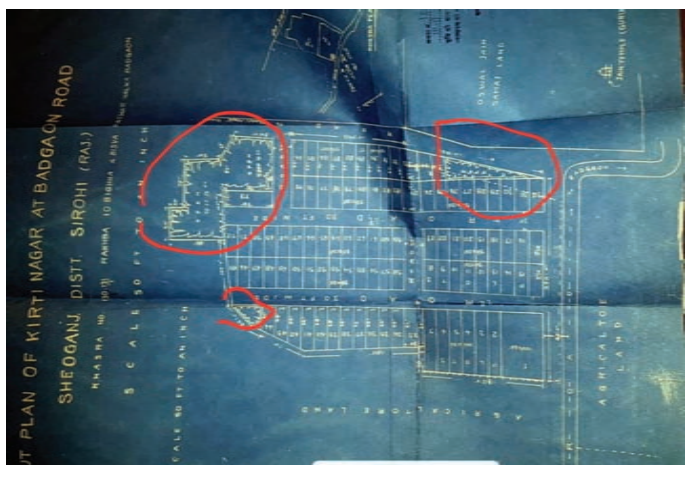

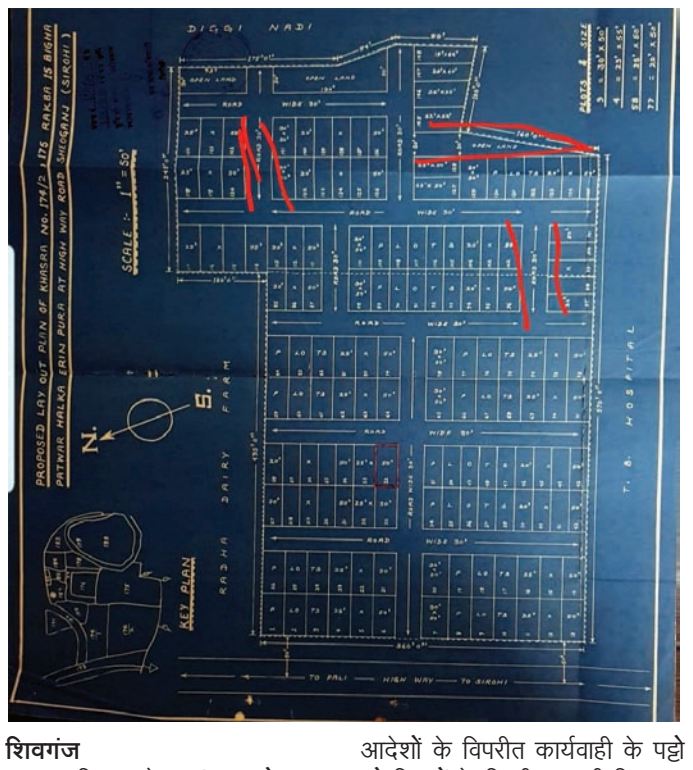

शिवगंज नगर पालिका क्षेत्र व पैरा फेरी क्षेत्र में काटी गई कॉलोनीओ की ओपन लैंड भूमि पर अतिक्रमण करवाकर आगे बेचा जा रहा है ओपन लैण्ड भूमि को लेकर वह करवाया गया भूमाफियाओ के विरुद्ध कार्यवाही को लेकर पालिका प्रशासन कब कार्रवाई करेगी क्या ऐसा ही चलता रहेगा रवैया सत्ता बदली रवैया नही बदला इसका फायदा पर उतरे कांग्रेसी क्योंकि कांग्रेस कार्यकाल में खूब घोटाला हुए जितनी सरकारी जमीन पड़ी थी उसके पट्टे बनाकर उन्होंने गरीबों को बेच दिया जैसे खसरा संख्या 131 बड़गांव जमीन की जांच करवाई जाए वहां पर नदी किनारे पर पड़ी जमीन फर्जी तरमीम करके उसका पट्टा बनाकर दे दिया जैन परिवार के नाम का वह एक जैन ने मिलकर 1900 फीट का पट्टा एक जगह का बना कर ले लिया और एक अन्य जगहों पर कब्जा करके वहां का पट्टा बनाने के लिए रात दिन कोशिश कर रहे हैं उसका पट्टा नहीं बनाएं पर उस जमीन पर अतिक्रमण कर दिया उसी के पास में तीन कॉलोनी कटी हुई थी लक्ष्मी कीर्ति नगर कपूर सोसाइटी एम एम रेजिडेंस उसकी ओपन लैंणड कहां गई उस ओपन लैंड पर लोगों ने कब्जा कैसे कर दिया इसी के साथ की शिवगंज शहर की जवाई नदी के किनारे पर जितने भी सरकारी जमीन पड़ी है उन सभी की जांच करवाई जाए वह शहर में शांति नगर अंबिका कॉलोनी वह शिव कॉलोनी की ओपन लैण्ड एक जगह पर होने से एक बड़ा चौक बन गया पर इस चौक में कई जगह पर कब्जा हो गए लोगों ने चौक की तरफ मुंह दरवाजे खोल दिया जो नहीं होना चाहिए ऐसे ही आनंद नगर गली नंबर 1 की ओपन लैण्ड गली नंबर 3 की ओपन लैण्ड वह गली नंबर 4 की ओपन लैण्ड पर लोगों ने कब्जा कर लिया है वह पट्टा बना दिया है इसी के साथ राणावत कॉलोनी की तीन या चार टुकड़ों में काटी गई उसकी ओपन लैण्ड कहां गई सबसे बड़ी श्रीजी कॉलोनी जिसकी आदि से ऊपर सरकारी जमीन पर लोगों ने कब्जा कर दिया वहां पर राजनेताओं ने ही कब्जा किया है ईसी के साथ गोकुलवाडी बजुरिया जाव पुरीजी जाव करण नगर की ओपन लैण्ड लोगों ने बेचकर खा गए वह शिवम नगर उसके आगे रूप रजत वह शिव शक्ति व पास में एक कॉलोनी और है उसकी ओपन लैण्ड पर लोगों ने कब्जा कर दिया उसी के आगे बजुरिया जाव में जितनी भी कॉलोनी काटी गई है उन सभी ओपन लैंड वह फैसिलिटी की जमीन कहां गई किसी के आगे छावनी क्षेत्र में वह मेणवाड़ा के पीछे हरिओम कॉलोनी सरस्वती कॉलोनी अंबिका कॉलोनी पुण्योदय नगर सहित और कॉलोनी जो आसपास में पड़ी है उसे सभी की ओपन लैंड वह भूमाफियाओ ने बेचकर खा गया तहसील के पीछे शुख बिहार कॉलोनी की ओपन लैंड जमीन को बेचकर खा गए लक्ष्मी नगर सहित अन्य कॉलोनी जैसे कलापुरा वुडलैंड होटल के पीछे कुटुम कॉलोनी मंडार कॉलोनी नाकोड़ा नगर नाकोडा कॉलोनी इसके बाद शिवगंज की संपूर्ण कॉलोनीओ की जांच करवाई जाए तो इस कॉलोनीओ में पड़ी ओपन लैण्ड व फैसिलिटी व सरकारी अन्य सुविधाओं की जमीन पर भूमाफियाओ ने कब्जा कर दिया या बेचकर खा गए नहीं छोड़ रहा है एक इंच भी जमीन क्योंकि उनको पता है शिवगंज की जमीन का भाव आसमान में है स्क्वायर फिट के हजारो रुपए है तो वह लोग क्यों नहीं छोड़ेंगे ऐसे ही शिवगंज से वैरा जैतपुरा सड़क जो मास्टर प्लान के अंदर वह पैरा फेरी में ग्रीन बेल्ट में काटी गई कॉलोनी की ओपन लैण्ड सबसे पहले बिकी है केसरपुरा के अंदर होकर खेजडिया जाने वाले रास्ते पर काटी गई कॉलोनी उसकी भी ओपन लैंड भूमि को बेचकर खा गए केसरपुरा से कामबेश्वरजी रोड व नेहरू नगर से बड़गांव रोड शीतला माता चौक से बड़गांव तक वह बड़गांव में काटी गई कॉलोनी जो ज्यादातर नियमों की विपरीत कॉलोनी हुई है उन सभी कॉलोनी की जांच करके उनकी पहले वह सुविधाओं की जमीन पर पहले कब्जा कर देना चाहिए या उसकी चार दिवारी करनी चाहिए या तारबंदी करके पालिका को अपना बोर्ड लगा देना चाहिए क्योंकि एक कॉलोनी किसकी सड़क 30 फीट से कमी है कहीं पर 20 फीट कई पर 10 फीट उसके भी पालिका ने पट्टे जारी कर दिए उसकी भी जांच होनी चाहिए बड़गांव रोड पर एक कॉलोनी जो सो मोटो के दिए पट्टे जारी किया वह सभी फर्जी पट्टे क्योंकि 100 मोटो के अंतर्गत उस कॉलोनी में 10% मकान बनने आवश्यक हो या उस कॉलोनी का विकास किया हो तो उसके पट्टे पालिका बनाकर दे सकते हैं और इस कॉलोनी में एक भी मकान नहीं बना था उसके बाद उसके ऊपर तैयारी कर दिए तो कितना बड़ा भ्रष्टाचार हुआ होगा तुरंत इसकी जांच होनी चाहिए वह भ्रष्टाचारियों को जेल भेजना चाहिए और बडगॉव रोड में कई कॉलोनी ऐसी है जो पालिका में उसकी पत्रावली भी नहीं लगी उसके ऊपर उसको घुमाकर कृषि रजिस्ट्री करवा कर गरीबों के साथ धोखा कर रहे है सस्ते भाव में बताकर लोगों को लूट रहे है इन सभी की जांच पालिका प्रशासन को करनी चाहिए और जो फर्जी कॉलोनी है उस पर जेसीबी से सफाई करवा कर वहां पर पालिका को अपने बोर्ड लगाने चाहिए जिससे गरीब लोग नहीं फस सके तो उनके साथ के धोखा ना हो सके

ईनका क्या कहना है

क्योंकि नगर पालिका क्षेत्र में सबसे ज्यादा धोखाधड़ी कर रहे हैं क्योंकि उनकी जमीन नहीं फिर भी वह बेचकर लोगों से एग्रीमेंट पर पैसा लेकर बताकर बेच रहे हैं सबसे बड़ा घोटाला कर रहे भूमाफियाओ की जांच होनी चाहिए एससी एसटी की जमीन लेकर उसकी जनरल ऑफ अटॉर्नी लेकर पार्टी अपने नाम पर करवा कर एससी एसटी लोगों के साथ धोखा कर रहे हैं कॉलोनी की जांच करवा कर जिसमें पावर ऐटनी लगी है उन सभी कॉलोनीयों को खारिज करना चाहिए वह एससी एसटी की गरीब लोगों के साथ की गई धोखाधड़ी में वापस जमीन उनके नाम की करनी चाहिए तब जाकर इन भूमाफियाओ को पता चलेगा कि आम लोगों के साथ धोखा नहीं कर सके और एससी एसटी के लोग गरीब होते हैं उनके साथ धोखा कर रहे हैं इससे सस्ती जमीन खरीद कर बड़ी-बड़ी कॉलोनी काटकर लाखों रुपए लूट रहे इनके विरुद्ध कार्रवाई करनी चाहिए और इन भूमपियों के खिलाफ मुकदमे दर्ज होना चाहिए

जैसाराम माली अध्यक्ष पर्यावरण एवं वन विकास समिति शिवगंज शिवगंज से पालड़ी जोड़ सड़क पर काटी गई कॉलोनी जो बड़ी कॉलोनी आर्यावर्त कॉलोनी के ई डब्ल्यू एस एल आई जी के भूखंड वह फैसिलिटी बगीचे की भूमि पार्क की भूमि को बेचकर खाने वाले उसके मालिक के विरुद्ध कारवाई होनी चाहिए वह सत्संग भवन वाली सड़क पर कॉलोनी की ओपन लैण्ड फैसिलिटी की जमीन पर कब्जा करना चाहिए ऐसे ही इस सड़क पर जितने भी कालोनी काटी गई है उन सभी ओपन लैंड फैसिलिटी अन्य सुविधाओं की जमीन पर चारदीवारी बनाकर तारबंदी कर पालिका को अपना कब्जा करना चाहिए

सीमा देवी माली पार्षद नगर पालिका शिवगंज

नगर पालिका क्षेत्र चांदाना रोड पर कॉलोनी वह इस पर सरकारी जमीन गोचर नाडिओ व नदीयो नालों की भूमि पर हुए अतिक्रमण को अतिक्रमण मुक्त करवाना चाहिए वह रिको के आसपास कांटी गई कॉलोनी सभी की ओपन लैण्ड जमीन वह मास्टर प्लान रिंग रोड मास्टर प्लान सड़कों पर रिको के प्लॉटो की जांच होनी चाहिए वह मास्टर प्लान व गुलाब कोठारी के आदेशों के विपरीत कार्यवाही के पट्टो जो नियमों के विपरीत जारी किए गए सभी पट्टो को खारिज करना चाहिए वह सरकारी जमीन बिलानाम भूमि पर अन्य सुविधाओं की जमीन पर किए गए अतिक्रमण को पालिका को मुक्त करवाने चाहिए वहां पर लोहे के बड़े बोर्ड तारबंदी कर उन्हें कब्जे मे लेना चाहिए

कमलसिंह चौहान गौ रक्षक व्यापारी उद्यमी रिको शिवगंज

प्रकृति, शिव और समाज से जोड़ती है कांवड़ यात्रा

डॉ. आशीष वशिष्ठ

धार्मिक आस्थाओं के साथ सामाजिक सरोकारों से रची कांवड़ यात्रा वास्तव में जल संचय की अहमियत को उजागर करती है। कांवड़ यात्रा की सार्थकता तभी है जब आप जल बचाकर और नदियों के पानी का उपयोग कर अपने खेत-खलिहानों की सिंचाई करें और अपने निवास स्थान पर पशु-पक्षियों और पर्यावरण को पानी उपलब्ध कराएं तो प्रकृति की तरह उदार शिव सहज ही प्रसन्न होंगे। विभिन्न धमार्चार्यों का भी यही मत है शिव की सच्ची उपासना केवल पर्यावरण संरक्षण व संवर्धन से ही संभव है। कलियुग में विषपान करने के लिए शिव ने ही पौधों का रूप लिया है। गंगा सहित सभी नदियां शिव की तरह जीवनदायिनी हैं। इन्हें बचाना हमारी नैतिक जिम्मेदारी है।

कांवड़ का अर्थ है परात्पर शिव के साथ विहार। अर्थात ब्रह्म यानी परात्पर शिव, जो उनमें रमण करे वह कांवड़िया। प्रत्येक वर्ष श्रावण मास में लाखों की तादाद में कांवड़िए दूर-दराज से आते हैं और अपने आसपास के स्थानों से गंगा जल भरते हैं, तत्पश्चात पदयात्रा कर अपने-अपने स्थानों को वापस लौट जाते हैं। इसी यात्रा को कांवड़ यात्रा कहा जाता है। फिर चतुर्दशी के दिन उस गंगा जल से अपने आसपास शिव मंदिरों में शिव का अभिषेक किया जाता है और शिव जी से अपनी और अपनों की सुख शांति की प्रार्थना की जाती है। कहने के लिए तो ये बस एक धार्मिक आयोजन मात्र है, लेकिन इसका सामाजिक और धार्मिक महत्व बहुत है। इसका सामाजिक सरोकार भी है।

कांवड़ के माध्यम से जल की यात्रा का यह पर्व सृष्टि रूपी शिव की आराधना के लिए है। जल आम आदमी के साथ-साथ पेड़-पौधों, पशु-पक्षियों, धरती में निवास करने वाले हजारों-लाखों तरह के कीड़े-मकोड़ों और समूचे पर्यावरण के लिए बेहद आवश्यक तत्व है। उत्तर भारत की भौगोलिक स्थिति को देखें तो यहां के मैदानी इलाकों में मानव जीवन नदियों पर ही आश्रित है। कांवड़िए जलस्रोत से एक बार जल भरकर उसे अभीष्ट कर्म के पूर्व अर्थात शिवजी को अर्पण करने के पहले भूमि पर नहीं रखते हैं। इसके मूल में भावना यह है कि जलस्रोत से प्रभु को सीधे जोड़ा है जिससे धारा प्राकृतिक रूप से उन पर बनी रहे एवं उनकी कृपा हमारे ऊपर भी सतत धारा के अनुसार बहती रहे जिससे संसार सागर को सुगमता से पार किया जा सके।

भोलेनाथ के भक्त यूं तो साल भर कांवड़ चढ़ाते रहते हैं, लेकिन सावन में इसकी धूम कुछ ज्यादा ही रहती है क्योंकि यह मास भगवान शिव को समर्पित है। अब तो उत्तर भारत में खासतौर पर दिल्ली-एनसीआर, पश्चिमी व पूर्वी यूपी में कांवड़ यात्रा एक पर्व कुंभ मेले के समान एक महाआयोजन का रूप ले चुकी है। काशी और देवघर में भी कांवड़ यात्रा का खासा महत्व है। पिछले डेढ़ दशक में कांवड़ यात्रा की लोकप्रियता लगातार बढ़ रही है।

बहुत कम लोग जानते हैं कि भगवान शिव पर सबसे पहले कांवड़ किसने चढ़ाया और इसकी शुरूआत कैसे हुई। कुछ कथाओं के भगवान परशुराम ने अपने आराध्य देव शिव के नियमित पूजन के लिए पुरा महादेव में मंदिर की स्थापना कर कांवड़ में गंगाजल से पूजन कर कांवड़ परंपरा की शुरूआत की, जो आज भी देशभर में काफी प्रचलित है। कांवड़ की परंपरा चलाने वाले भगवान परशुराम की पूजा भी श्रावण

मास में की जानी चाहिए। पौराणिकता मान्यता है कि कांवड़ यात्रा एवं शिवपूजन का आदिकाल से ही अन्योन्याश्रित संबंध है। महाकवि कालिदास ने हिमालय को शिव का प्रतिरूप बताते हुए इसके सांस्कृतिक, भौगोलिक और धार्मिक महत्त्व को रेखांकित किया है। यों भी कह सकते हैं कि कांवड़ यात्रा शिव के कल्याणकारी रूप और निष्ठा के नीर से उसके अभिषेक को तीव्र रूप में प्रतिध्वनित करती है।

उत्तर भारत में भी गंगाजी के किनारे के क्षेत्र के प्रदेशों में कांवड़ का बहुत महत्व है। राजस्थान के मारवाड़ी समाज के लोगों के यहां गंगोत्री, यमुनोत्री, केदारनाथ, बदरीनाथ के तीर्थ पुरोहित जो जल लाते थे और प्रसाद के साथ जल देते थे, उन्हें कांवड़िए कहते थे। ये लोग गोमुख से जल भरकर रामेश्वरम में ले जाकर भगवान शिव का अभिषेक करते थे। दरअसल, यह एक प्रचलित परंपरा थी। लगभग 6 महीने की पैदल यात्रा करके वहां पहुंचा जाता था। इसका पौराणिक तथा सामाजिक दोनों महत्व है। इससे एक तो हिमालय से लेकर दक्षिण तक संपूर्ण देश की संस्कृति में भगवान का संदेश जाता था। इसके अलावा भिन्न-भिन्न क्षेत्रों की लौकिक और शास्त्रीय परंपराओं के आदान-प्रदान का बोध होता था, लेकिन अब इस परंपरा में परिवर्तन आ गया। कांवड़ यात्रा का धार्मिक महत्व तो जगजाहिर है, लेकिन इस कांवड़ यात्रा से वैज्ञानिकों ने उत्तम स्वास्थ्य भी जोड़ दिया है। प्रकृति के इस खूबसूरत मौसम में जब चारों तरफ हरियाली छाई रहती है तो कांवड़ यात्री भोलेनाथ को जल चढ़ाने के लिए पैदल चलते हैं। पैदल चलने से हमारे आसपास के वातावरण की कई चीजों का सकारात्मक प्रभाव हमारे मन मस्तिष्क पर पड़ता है। चारों तरफ फैली हरियाली आंखों की रोशनी बढ़ाती है। वहीं ओस की बूंदे नंगे पैरों को ठंडक देती हैं तथा सूर्य की किरणें शरीर को रोगमुक्त बनाती हैं। ये यात्रा प्रकृति और मानव के संबंधों में नई उष्मा, निकटता एवं प्रेम को बढ़ाती है। डॉक्टरों के मुताबिक धार्मिक चेतना से मानव जीवन पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता है। कांवड़ यात्रा स्वास्थ्यप्रद होती है। पैदल, नाचते-गाते और दौड़ लगाते हुए शिवभक्त जाते हैं। इससे शरीर में खुशी के हार्मोंस जेनरेट होते हैं। व्यक्ति तनाव मुक्त हो जाता है। पैदल चलने से मांसपेशियां मजबूत होती हैं और हार्ट और फेफड़ों को शुद्ध ऑक्सीजन मिलती है।

पवित्र गंगा को स्वर्ग अर्थात पहाड़ों से पृथ्वी अर्थात मैदानी इलाकों में लाने के लिए महान शिव के द्वारा जिस श्रमदान का आयोजन किया गया वह उस समय अत्यंत दुष्कर कृत्य रहा होगा। पर्वतों के बीच गमन करना और श्रमदान करना निश्चित ही कोई सुगम कार्य नही रहा होगा। कितने ही किसान-श्रमिक कर्तव्य की बलिवेदी पर न्योछावर हुए होंगे। यह बात वह शिव भक्त कांवड़िये आसानी से समझ सकते हैं जो गोमुख या उसके भी ऊपर ऊंचाइयों से जल लाने हेतु पैदल पद यात्रा करते हैं। उसी महान श्रमदान की स्मृति आज भी कांवड़ के विशाल आयोजन में संरक्षित दिखाई पड़ती है।

संभवतः हताहत तथा कालकलवित हुए कृषकों व श्रमिकों की आत्मा की शांति की कामना के लिए उसी पवित्र जल से शिव को जलाभिषेक करने की उज्जवल परम्परा का विकास कांवड़ यात्रा में कहीं न कहीं दृष्टिगोचर होता है। इस तथ्य से यह भी जाना जा सकता है कि जो जल हमें आज इतनी आसानी से प्राप्त है वह कितना मूल्यवान है। नदियों से दूरदराज रहने वाले लोगों को पानी का संचय करके रखना पड़ता है। हालांकि मानसून काफी हद तक इनकी आवश्यकता की पूर्ति कर देता है तदापि कई बार मानसून का भी भरोसा नहीं होता है। ऐसे में बारहमासी नदियों का ही आसरा होता है, इसके लिए सदियों से मानव अपने इंजीनियरिंग कौशल से नदियों का पूर्ण उपयोग करने की चेष्टा करता हुआ कभी बांध तो कभी नहर तो कभी अन्य साधनों से नदियों के पानी को जल विहिन क्षेत्रों में ले जाने की कोशिश करता रहा है। लेकिन आबादी का दबाव और प्रकृति के साथ मानवीय व्यभिचार की बदौलत जल संकट बड़े रूप में उभर कर आया है।

धार्मिक संदर्भ में कहें तो इंसान ने अपनी स्वार्थपरक नियति से शिव को रूष्ट किया है। कांवड़ यात्रा का आयोजन अति सुन्दर बात है। कांवड़ यात्रा में शामिल हर कांवड़िए को इस महत्वपूर्ण यात्रा महत्ता व अंतर्निहित संदेश को समझना होगा। प्रतीकात्मक तौर पर कांवड़ यात्रा का संदेश इतना भर है कि आप जीवनदायिनी नदियों के लोटे भर जल से जिस भगवान शिव का अभिषेक कर रहे हैं वे शिव वास्तव में सृष्टि का ही दूसरा रूप हैं।

वास्तव में, धार्मिक आस्थाओं के साथ सामाजिक सरोकारों से रची कांवड़ यात्रा वास्तव में जल संचय की अहमियत को उजागर करती है। कांवड़ यात्रा की सार्थकता तभी है जब आप जल बचाकर और नदियों के पानी का उपयोग कर अपने खेत-खलिहानों की सिंचाई करें और अपने निवास स्थान पर पशु-पक्षियों और पर्यावरण को पानी उपलब्ध कराएं तो प्रकृति की तरह उदार शिव सहज ही प्रसन्न होंगे। विभिन्न धमार्चार्यों का भी यही मत है शिव की सच्ची उपासना केवल पर्यावरण संरक्षण व संवर्धन से ही संभव है। कलियुग में विषपान करने के लिए शिव ने ही पौधों का रूप लिया है। गंगा सहित सभी नदियां शिव की तरह जीवनदायिनी हैं। इन्हें बचाना हमारी नैतिक जिम्मेदारी है। (लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

संपादकीय

विकास की महद्आकांक्षा

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने राज्यों से गरीबी मुक्त गांव बनाने की दिशा में काम करने का आह्वान किया है। प्रधानमंत्री मोदी ने नीति आयोग की 9वीं शासी परिषद की बैठक के समापन अवसर पर शनिवार को कहा कि 2047 तक विकसित भारत, जो हर भारतवासी की महत्त्वाकांक्षा है, के लक्ष्य को हासिल किया जा सकता है। इसके लिए राज्यों की भागीदारी महत्त्वपूर्ण है। यह दशक तकनीकी और भू-राजनीतिक बदलावों और अवसरों का है, जिसका लाभ उठाया जाना चाहिए। मजे की बात यह है कि प्रधानमंत्री मोदी विकसित राष्ट्र के सफर में राज्यों की भागीदारी की बात कह रहे हैं, लेकिन बैठक में बिहार, केरल समेत 10 राज्य और केंद्रशासित प्रदेश शामिल नहीं हुए। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी बैठक में पहुंचीं जरूर लेकिन अपना भाषण बीच में ही रोक देने का आरोप लगाते हुए उन्होंने बैठक का बहिष्कार कर दिया। इतनी महत्त्वपूर्ण बैठक से दस से ज्यादा राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों का शामिल न होना निश्चित ही दुर्भाग्यपूर्ण है क्योंकि विकसित राष्ट्र की दिशा में अकेले-दुकेले की बढ़त से बात नहीं बनेगी। सभी की भागीदारी और सहयोग होना जरूरी है। प्रत्यक्ष विदेशी निवेश, गरीबी उन्मूलन और आबादी का प्रबंधन जैसे तमाम मुद्दे हैं, जिनके लिए राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों को अपने तईं प्रयास करने होंगे। जरूरी बन पड़ी नीतियों को क्रियान्वयन करके देश के आर्थिक विकास की दिशा में अपना महती योगदान देना होगा। बैठक में प्रधानमंत्री ने जो सबसे महत्त्वपूर्ण बात कही वह थी गरीबी-मुक्त गांव की दिशा में काम करने की। बेशक, इस दिशा में तैयारी करके बढ़ा जाए तो बेहतर नतीजों की उम्मीद की जा सकती है। माइक्रो लेवल का आर्थिक प्रबंधन कोई नहीं बात नहीं है। बहुत पहले गांधी जी ने गांव के स्तर पर ज्यादा से ज्यादा सक्रियता की बात कही थी। उन्हें लगता था, और जो भारत जैसे गांवों के देश में सही भी था, कि गांव के स्तर पर आर्थिक गतिविधियों को मजबूती देकर आमजन को सबल बनाया जाना चाहिए। लेकिन बाद में इस आर्थिक सोच को बिसरा दिया गया। नतीजतन, गांव में रोजगार की स्थिति खासी चरमरा गई और बड़े. पैमाने पर पलायन होने लगा। तमाम शहरों और बड़े. नगरों की ओर हुए आबादी के पलायन से शहरों में नागरिक सुविधाओं के हालात बदतर हो गए। जरूरी है कि केंद्र सरकार और राज्यों में आरूढ़ सरकारें मिलकर गांवों को सबल बनाने की दिशा में अग्रसर हों जिससे आम जन के हालात बेहतर हो सकेंगे जो बड़ी सफलता होगी।

महाराष्ट्र में देवेन्द्र फडणवीस से क्यों डरा रहता है विपक्ष?

आर.के. सिन्हा

लोकसभा चुनावों के नतीजे आने और केन्द्र में नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में लगातार तीसरी बार सरकार बनने के बाद अब महाराष्ट्र विधानसभा के आगामी अक्तूबर के महीने होने वाले चुनाव हैं। भारत की मजबूत होती अर्थव्यवस्था की जान है महाराष्ट्र। इसलिए सारे देश की निगाहें महाराष्ट्र पर लगी रहती हैं। वहां राज्य विधानसभा चुनाव से पहले राज्य की राजनीति भी गरमा चुकी है। आरोप-प्रत्यारोप के नियमित दौर चल रहे हैं। महाराष्ट्र का विपक्ष महाविकास आघाडी राज्य के उस नेता पर आरोप लगा रहे हैं, जिसने राज्य का मुख्यमंत्री रहते हुए प्रदेश का चौतरफा विकास करवाया। हम बात कर रहे हैं महाराष्ट्र के शिखर भाजपा नेता और वर्तमान उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की....

देवेंद्र फडणवीस राज्य के एक बड़े नेता होने के साथ ही काफी दूरदर्शी और अनुभवी रणनीतिकार के रूप में भी जाने जाते हैं। वह कई बार मुश्किलों में फँसी पार्टी को बाहर निकालकर अपनी योग्यता साबित कर चुके हैं। जब वह राज्य के मुख्यमंत्री थे, तब उनके कार्यकाल में राज्य के बुनियादी ढांचे के विकास में कई काम हुए। मुंबई मेट्रो विस्तार और मुंबई-नागपुर समृद्धि महामार्ग जैसी प्रमुख परियोजनाओं की शुरूआत की गई। तब महाराष्ट्र की प्रतिष्ठा एक प्रमुख औद्योगिक केंद्र के रूप में और बढ़ी। देवेंद्र फडणवीस ने ही कानून व्यवस्था को दुरुस्त करने के लिए पुलिसिंग को मजबूत किया और अपराध की रोकथाम के लिए टेक्नोलॉजी आपरेटेड सिस्टम की शुरूआत की। समाज कल्याण को लेकर भी उन्होंने काफी पहल की। हाशिए पर पड़े समुदायों के उत्थान और सामाजिक समानता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से कई कार्यक्रम लागू किए गये। महाराष्ट्र के पूर्व गृह मंत्री अनिल देशमुख ने बीत दिनों देवेन्द्र देवेंद्र फडणवीस पर आरोप लगाया कि वे जब राज्य के गृहमंत्री थे तब उन्होंने (देवेंद्र फडणवीस ने) उन पर दबाव बनाया था कि वे राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे और महाविकास आघाडी के तीन अन्य नेताओं के खिलाफ केस दर्ज करवा दें। हालांकि देवेंद्र फडणवीस ने देशमुख के इस आरोप को सिरे से खारिज किया है। कुल मिलाकर लग यह रहा है कि महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में जनता के बुनियादी मसलों से हटकर आरोप-प्रत्यारोप लगते रहेंगे। विपक्ष सत्ता हासिल करने के लिए तबीयत से कीचड़ उछालेगा। जाहिर है फडणवीस ने भी देशमुख को उनकी ही भाषा में जवाब भी दिया। सबको याद है कि अप्रैल 2021 में गृह मंत्री रहे देशमुख पर तत्कालीन मुंबई पुलिस कमिनर परमबीर सिंह ने यह आरोप लगाया था कि उन्होंने महाराष्ट्र की पुलिस को शहर के होटल और बार मालिकों से पैसे वसूलने पर लगा दिया था। अब देशमुख कह रहे हैं कि फडणवीस के निर्देश पर परमबीर सिंह ने उनके खिलाफ झूठे आरोप लगाए। अब तीन साल बाद वही एनसीपी नेता देशमुख यह दावा कर रहे हैं कि फडणवीस ने उन पर उद्धव और आदित्य ठाकरे, तत्कालीन डिप्टी सीएम अजीत पवार और मंत्री अनिल परब सहित एमवीए के प्रमुख लोगों के खिलाफ झूठे आरोप लगाने के लिए दबाव डाला था। साफ है कि महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों में टकराव बढ़ने वाले हैं और महाविकास आघाडी के निशाने पर देवेंद्र फडणवीस ज्यादा रहने वाले हैं। देवेंद्र फडणवीस पर विपक्ष गठबंधन महाविकास आघाडी के नेता रणनीति के तहत हल्ला बोल रहे हैं। उन्हें लगता है कि देवेंद्र फडणवीस को घेरकर वे विधानसभा चुनाव में बढ़त बना सकते हैं। बेशक, यह अफसोसजनक स्थिति है कि जिस फडणवीस के मुख्यमंत्रित्व काल में राज्य का अभूतपूर्व विकास हुआ, उन पर मिथ्या आरोप लग रहे हैं। उनके ही नेतृत्व में मुंबई मेट्रो का विस्तारीकरण हुआ। मुंबई-नागपुर समृद्धि महामार्ग, आर्थिक गलियारों और कनेक्टिविटी को बढ़ावा देने के लिए एक्सप्रेसवे परियोजना की शुरूआत हुई। बढ़ती शहरी आबादी को समायोजित करने के लिए किफायती आवास योजनाओं को उन्होंने ही लागू किया। सड़क और रेल परियोजनाओं सहित सार्वजनिक परिवहन नेटवर्क में सुधार किया। आतंकवाद-रोधी उपायों के तहत संभावित खतरों को रोकने और उनका जवाब देने के लिए सुरक्षा ढांचे को बढ़ावा दिया। देवेंद्र फडणवीस ने सामुदायिक पुलिसिंग पर जोर दिया। मुंबई ट्रांस हार्बर लिंक के तहत मुंबई को नवी मुंबई से जोड़ने के लिए इस समुद्री पुल की शुरूआत की।

गोपीनाथ मुंडे के निधन के बाद देवेंद्र फडणवीस महाराष्ट्र की राजनीति में एक प्रमुख नेता के रूप में सामने आए। उन्होंने राज्य भाजपा को एकजुट किया। यह फडणवीस ही थे जिन्होंने भाजपा की ताकत बढ़ाने के लिए शिवसेना के बिना चुनाव लड़ने का हिम्मती फैसला किया। उन्होंने राज्य के लिए भाजपा की स्वतंत्र ताकत और दृष्टि पर जोर दिया और उनके नेतृत्व में ही भाजपा राज्य में सबसे बड़ी पार्टी के रूप में उभरी। राज्य में शिव सेना के बिना भाजपा की सरकार बनाने के लिए फडणवीस ने ही मंच तैयार किया।

अब भी वह सत्तासीन गठबंधन में स्थिरता बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। उनका रणनीतिक कौशल जबर्दस्त रहा है। वह शासन में निरंतरता और प्रगति सुनिश्चित करते हुए लचीलेपन के साथ हर मुद्दे का राजनीतिक समाधान तलाशने में महारत रखते हैं। वही विभिन्न वर्गों के साथ प्रभावी ढंग से बातचीत करने में आगे रहे हैं। उनकी नेतृत्व शैली और उपलब्धियों ने उन्हें महाराष्ट्र की राजनीति में एक केंद्रीय व्यक्ति के रूप में स्थापित किया है। वह पैराशूट वाले नेता नहीं हैं। महाराष्ट्र में वह भाजपा में रैंक के माध्यम से आगे बढ़ने वाले नेता हैं। फडणवीस 1989 में युवा विंग के अध्यक्ष रहे हैं और केवल 27 साल की उम्र में नागपुर के मेयर नियुक्त हुए और 44 साल की उम्र में मुख्यमंत्री बन गए। वह एक ऐसे नेता हैं जो भाजपा के केंद्रीय नेतृत्व और आरएसएस दोनों में स्वीकार्यता रखते हैं। वह संघ के मूल मूल्यों को समझते हैं और पार्टी के भीतर उसको अपनाने की कोशिश भी करते हैं। महाराष्ट्र में हाल ही में हुए राजनीतिक उथल-पुथल जैसे चुनौतीपूर्ण समय के दौरान स्थिति को स्थिर करने और पार्टी के हितों की रक्षा सुनिश्चित करने में उनकी बड़ी भूमिका रही है। हाल के लोक सभा चुनावों में पार्टी की हार को अपनी जिम्मेदारी के रूप में स्वीकार करते हुए इस्तीफा देने की उनकी पेशकश, नैतिक बल को ही दशार्ती है।

फडणवीस पर 2024 के विधानसभा चुनावों में भाजपा को जीत दिलाने की बड़ी जिम्मेदारी है। राज्य के राजनीतिक हलकों में कई लोगों को लगता है कि पिछले दस वर्षों से महाराष्ट्र में भाजपा के निर्विवाद नेता के रूप में फडणवीस ही राज्य में भाजपा की पुनः वापसी कर सकते हैं। वे विपक्ष को पटकनी देने में सक्षम हैं। विपक्ष भी हमेशा फडणवीस से ही डरा हुआ दिखाई देता है। किसी न किसी तरह से उन पर निशाना साधने में महाविकास अघाडी के नेता कोई कसर नहीं छोड़ते। यह अच्छी बात है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी देवेन्द्र फडणवीस पर भरोसा रखते हैं।

2019 के विधानसभा चुनावों में भाजपा को अच्छी सफलता मिली, सबको लगा कि फडणवीस एक बार फिर मुख्यमंत्री बनेंगे। लेकिन उद्धव ठाकरे मुख्यमंत्री बनने की अपनी महत्वाकांक्षा के साथ आगे आ गए। उन्हें अपने पुराने सहयोगी-भारतीय जनता पार्टी को दगा देने में कोई संकोच नहीं किया। शरद पवार ने कांग्रेस नेतृत्व को राजी किया और उन्हें उद्धव ठाकरे का समर्थन करने के लिए मजबूर किया और अपनी सरकार बना ली, लेकिन फडणवीस ने जून 2022 में पवार साहब की साजिश को माकूल जवाब दे दिया। केवल ढाई साल की अवधि के लिए उद्धव ठाकरे मुख्यमंत्री बने। अब वही ठाकरे शरद पवार के हाथों खिलौना बने हुए हैं।

चिंतन-मनन

भगवान का अचिंत्य ऐश्वर्य

भगवान भौतिक जगत के पालन व निर्वाह के लिए प्रत्यक्ष रूप से उत्तरदायी नहीं हैं। हम एटलस (एक रोमन देवता) को कंधों पर गोला उठाये देखते हैं। वह अत्यन्त थका लगता है और इस विशाल पृथ्वीलोक को धारण किये रहता है। हमें किसी ऐसे चित्र को मन में नहीं लाना चाहिए, जिसमें कृष्ण इस सृजित ब्रह्मांड को धारण किये हों। उनका कहना है कि यद्यपि सारी वस्तुएं उन पर टिकी हैं, सारे लोक अन्तरिक्ष में तैर रहे हैं और यह अन्तरिक्ष परमेश्वर की शक्ति है किन्तु वे अन्तरिक्ष से पृथक स्थित हैं। भगवान कहते हैं, यद्यपि सब रचित पदार्थ मेरी अचिंत्य शक्ति पर टिके हैं, किन्तु भगवान रूप में मैं उनसे पृथक रहता हूं। यह भगवान का अचिंत्य ऐश्वर्य है।

वैदिककोश निरुक्ति में कहा गया है- परमेश्वर शक्ति का प्रदर्शन करते हुए अचिंत्य आश्चर्यजनक लीलाएं कर रहे हैं। उनका व्यक्तित्व विभिन्न शक्तियों से पूर्ण है और संकल्प स्वयं एक तथ्य है। भगवान को इसी रूप में समझना चाहिए। हम कोई काम करना चाहते हैं, तो अनेक विघ्न आते हैं और कभी-कभी जो चाहते हैं वह नहीं कर पाते।

किन्तु जब कृष्ण कोई कार्य करना चाहते हैं, तो सब इतनी पूर्णता से सम्पन्न हो जाता है कि कोई सोच नहीं पाता कि यह सब कैसे हुआ! भगवान समझाते हैं-यद्यपि वे समस्त सृष्टि के पालक तथा धारणकर्ता हैं, किन्तु वे इस सृष्टि का स्पर्श नहीं करते। उनके मन और स्वयं उनमें कोई भेद नहीं है। वे हर वस्तु में उपस्थित हैं, किन्तु सामान्य व्यक्ति समझ नहीं पाता कि वे साकार रूप में उपस्थित हैं। वे भौतिक जगत से भिन्न हैं तो भी प्रत्येक वस्तु उन्हीं पर आश्रित है। इसे ही भगवान की योगशक्ति कहा गया है।

सामयिक : विवादों में क्यों लोकसभा अध्यक्ष

विनीत नारायण

भारतीय लोकतंत्र की परंपरा काफी सराहनीय रही है। लोकतंत्र में सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच लगातार नोक-झोंक का चलना सामान्य व स्वाभाविक बात है। लेकिन इस नोक-झोंक की सार्थकता तभी है जब वक्ताओं द्वारा मयार्दा में रह कर बात रखी जाए। जब तक संसदीय कार्यवाही का टीवी पर प्रसारण नहीं होता था, तब तक देश की जनता को पता ही नहीं चलता था कि उनके चुने हुए प्रतिनिधि संसद में कैसा व्यवहार कर रहे हैं? यह भी नहीं पता चलता था कि वे संसद में किन मुद्दों को उठा रहे हैं? अक्सर ऐसे मामले भी सामने आए हैं, जब सांसदों ने आर्थिक लाभ की एवज में बड़े औद्योगिक घरानों के हित में सवाल पूछे। वरिष्ठ पत्रकार ए सूर्यप्रकाश ने तीस वर्ष पहले ऐसे लेखों की श्रृंखला छापी थी जिसमें सांसदों के आचरण का खुलासा हुआ और देश ने पहली बार जाना, 'संसद में सवाल बिकते हैं'। पर जब से टीवी पर संसदीय कार्यवाही का प्रसारण होने लगा तब से देशवासियों को भी देखने को मिला कि सांसद सदन में कैसा व्यवहार करते हैं। बिना अतिश्योक्ति के कहा जा सकता है कि कुछ सांसद जिस भाषा का प्रयोग करने लगे हैं, उसने शालीनता की सीमाएं लांघ दी हैं। शोरशराबा तो आम बात है। संसद में हुड़दंग भारत में ही देखने को नहीं मिलता। अनेक देशों से वीडियो आते रहते हैं, जिनमें सांसद हाथापाई करने और एक दूसरे पर कुर्सियां और माइक फेंकने तक में संकोच नहीं करते। सोचने वाली बात यह भी है कि भारतीय संसद की कार्यवाही पर देश की गरीब जनता का अरबों रुपया खर्च होता है। आकलन है कि संसद चलने का प्रति मिनट खर्च ढाई लाख रुपये से थोड़ा अधिक आता है। इसका सदुपयोग तब हो जब गंभीर चर्चा करके जनता की समस्याओं के हल निकाले जाएं। हमारी लोक सभा का इतिहास रहा है कि लोक सभा के अध्यक्षों ने यथासंभव निष्पक्षता से सदन की कार्यवाही का संचालन किया।

उल्लेखनीय है कि 15वीं लोक सभा के तत्कालीन अध्यक्ष सोमनाथ चटर्जी ने अपने ही दल के विरुद्ध निर्णय दिए थे जिसका खमियाजा भी उन्हें भुगतना पड़ा। उन्हें दल से निष्कासित कर दिया गया पर उन्होंने अपने पद की मयार्दा से समझौता नहीं किया। लेकिन पिछले दस वर्षों से लोक सभा के वर्तमान अध्यक्ष ओम बिरला लगातार विवादों में रहे हैं। उन पर सत्ता पक्ष के प्रति अनुचित झुकाव रखने का आरोप विपक्ष लगातार लगाता रहा है। 17वीं लोक सभा में तो हद ही हो गई जब सत्ता पक्ष के एक सांसद ने विपक्ष के सांसद को सदन की कार्यवाही के बीच अपमानजनक गालियां दीं। अध्यक्ष ने उनसे वैसा कड़ा व्यवहार नहीं किया जैसा वो लगातार विपक्ष के सांसदों के साथ करते आ रहे थे। तब तो और भी हद हो गई जब उन्होंने विपक्ष के 141 सांसदों को सदन से निष्कासित कर दिया। ऐसा आजाद भारत के इतिहास में पहली बार हुआ। हाल में टीवी चर्चा में उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री व समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव से बातचीत में नामी वकील, सांसद और पूर्व कानून मंत्री कपिल सिब्बल ने बताया, 'देश के संविधान के अनुच्छेद 105, संसद के सदस्यों को संसद में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता होगी परंतु क्या सांसदों को ऐसा करने दिया जाता है? जबकि इसी अनुच्छेद में या पूरे संविधान में यह कहीं नहीं लिखा है कि किसी भी सांसद का, संसद सदन में, अपनी बारी पर बोलते समय, माइक बंद किया जा सकता है। यह भी कहीं नहीं लिखा है कि किसी सांसद को बोलते समय, यदि वह नियम व मयार्दा के अनुसार बोल रहा हो तो उसे टोका जा सकता। इतना ही नहीं, यह बात भी नहीं लिखी है कि यदि विपक्ष किसी मुद्दे पर सत्ता पक्ष का विरोध करे तो उसे टीवी पर नहीं दिखा सकते। परंतु आजकल ऐसा होता है और यदि लोक सभा अध्यक्ष इस बात को नकार देते हैं कि वे किसी का माइक बंद नहीं करते तो फिर कोई तो है जो माइक को बंद करता है। ऐसा है तो जांच होनी चाहिए कि ऐसा कौन कर रहा है और किसके निर्देश पर कर रहा है?'

18वीं लोक सभा की शुरू आत ही ऐसी हुई है कि नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी से लेकर अखिलेश यादव और अभिषेक बनर्जी तक अनेक दलों के सांसदों ने अध्यक्ष

ओम बिरला के प्रति पक्षपातपूर्ण रवैये का खुला आरोप ही नहीं लगाया, बल्कि अपने आरोपों के समर्थन में प्रमाण भी प्रस्तुत किए हैं। ये न सिर्फ लोक सभा अध्यक्ष के पद की गरिमा के प्रतिकूल है, बल्कि ओम बिरला के निजी सम्मान को भी कम करता है। आवश्यकता इस बात की है कि ओम बिरला मुंशी प्रेमचंद की कालजयी रचना 'पंच परमेश्वर' को गंभीरता से पढ़ें जो शायद उन्होंने अपने स्कूली शिक्षा के दौरान पढ़ी होगी। कहानी शिक्षा मिलती है कि न्यायाधीश की कुर्सी पर बैठे व्यक्ति को सगे-संबंधियों का भी लिहाज नहीं करना चाहिए। लोक सभा की सार्थकता और पद की गरिमा के अनुरूप ओम बिरला को किसी सांसद को यह कहने का मौका नहीं देना चाहिए कि उनका व्यवहार पक्षपातपूर्ण है।

अनुमति को लेकर पशोपेश में प्रशासन..भंडारा आस्था का विषय,वाणिज्य कारोबार थोडी है नियम नही आएगे आड़े

अब बाबा रामदेव सेवा समिति को है भंडारा संचालन की अनुमति का इंतजार

धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किया जाना चाहिए यह कोई वाणिज्यिक धंधा थोड़ी कर रहे है

द पुलिस पोस्ट

सिरोही जिले का प्रमुख व्यापारिक शहर एवं धर्म नगरी शिवगंज के एकमात्र सार्वजनिक सुविधा स्थल महाराजा मैदान जहां दशकों से शहर में होने वाले विभिन्न धार्मिक, राजनीतिक, सामाजिक एवं मनोरंजक कार्यक्रम होते रहे है, उस भूमि पर को प्रशासन की ओर से कृषि भूमि बताने के बाद भविष्य में इस मैदान में होने वाली गतिविधियों पर रोक लगने की संभावना बलवती हो गई है। हाल ही में प्रशासन की ओर से इस मैदान पर लगने वाले फेस्टीवल मेले जिसकी स्वयं प्रशासन ने ही अनुमति दी थी, उसे कुछ व्यापारियों के विरोध और उन्हीं व्यापारियों की ओर से इस भूमि को कृषि भूमि बताए जाने के बाद हुई जांच के बाद एनवक्त पर अनुमति को निरस्त कर फेस्टीवल संचालक को लाखों रूपए के बोझ तले दबा दिया था। अब उसी भूमि पर पिछले कई सालों से बाबा रामदेव मंदिर पोकरण दर्शनार्थ जाने वाले जातरुओं की सुविधा के लिए लगने वाले भंडारे की अनुमति प्रदान करने को लेकर प्रशासन पशोपेश की स्थिति में है। बाबा रामदेव सेवा समिति की ओर से जलदाय विभाग के सामने महाराजा मैदान में भंडारा आयोजित करने को लेकर उपखंड अधिकारी कार्यालय में किए गए आवेदन को लेकर कोई निर्णय नहीं हो सका है। जानकारी मिली है कि सेवा समिति के इस आवेदन पर किसी निर्णय पर पहुंचने से पहले उपखंड अधिकारी ने तहसीलदार, अधिशासी अधिकारी एवं थानाधिकारी से जांच रिपोर्ट मांगी है।

सुरक्षा और फायर बिग्रेड की व्यवस्था करनी चाहिए

गौरतलब है कि शहर का महाराजा मैदान जहां पिछले कई दशकों से शहर में निवास करने वाले लोगों के लिए मनोरंजन के लिहाज से मेले सर्कस इत्यादि लगते रहे है। इतना ही नहीं यह मैदान कई धार्मिक एवं सामाजिक गतिविधियों का भी गवाह रहा है। शहर के लिए कोई बडी गतिविधि हो इसके लिए महाराजा मैदान ही सबसे उपयुक्त जगह मानी जाती है। इसकी वजह यह है कि इस शहर में इससे बड़ा कोई स्थान नहीं है। इसके अलावा न ही पालिका प्रशासन के पास ऐसी कोई बडी भूमि है जहां इस प्रकार के आयोजन संभव हो सके। इसी वजह से गत दिनों यहां लगने वाले फेस्टीवल मेले जिसमें देश के अलग अलग प्रदेशों में निर्मित होने वाली हैडीक्राफ्ट व कांच की वस्तुओं जिसे अमुमन यहां के व्यापारी नहीं बेचते है, उसका विक्रय होना था। ओर तो ओर इस मेले में 90

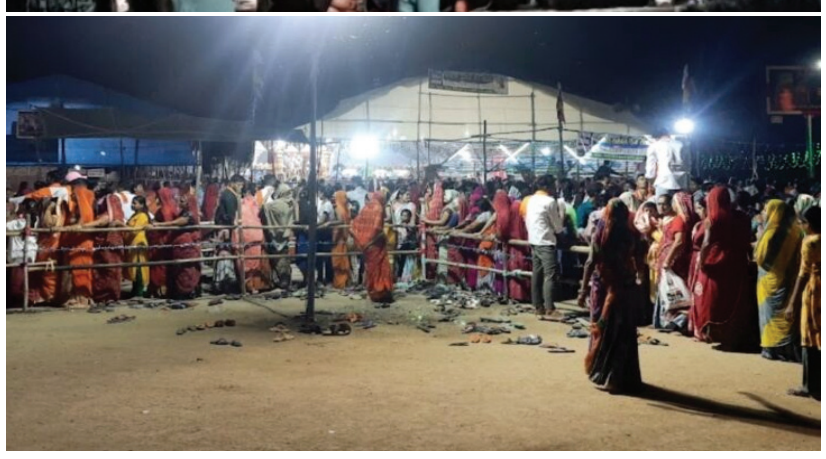

फीसदी ऐसी वस्तुएं बिक्री के लिए आती जो यहां के व्यापारी नहीं बेचते।

इस फेस्टीवल मेले के संचालन के लिए संचालक ने उपखंड अधिकारी एवं नगर पालिका प्रशासन से नियमानुसार अनुमति भी ली थी। पालिका प्रशासन की ओर से नियम कायदे के अनुसार जो राजस्व अर्जित किया जाना था वह जमा कर 10 जुलाई को अनापत्ति जारी कर दी थी। जबकि उपखंड प्रशासन की ओर से 18 जुलाई को अनुमति दी गई। अनुमति मिलने के बाद फेस्टीवल मेला संचालक ने यहां अस्थाई टेंट, झूले इत्यादि व्यवस्था करनी आरंभ कर दी। इस बीच जब सारी व्यवस्था हो गई ओर जब मेला प्रारंभ होना था,समाचार पत्रों में विज्ञापन भी प्रकाशित हो गए। ऐनवक्त पर प्रशासन ने यह कहते हुए रोक लगा दी कि यह कृषि भूमि है और इस पर किसी प्रकार की गतिविधि आयोजित करने की अनुमति नहीं दी जा सकती। एक मात्र सार्वजनिक स्थल पर वाणिज्यिक कारोबार की अनुमति बनी रोड़ा प्रशासन की ओर से अनुमति निरस्त किए जाने की प्रमुख वजह यहां के गिनती के व्यापारी थे। वैसे तो शिवगंज में कई व्यापार संगठन है, लेकिन केवल एक व्यापार संगठन और वह भी पूरा नहीं बल्कि पांच या सात व्यापारियों का इस बात को लेकर विरोध था कि मेला लगने से उनका व्यापार प्रभावित होगा। इसी बात को लेकर को दामन थाम अपने विरोध का झंडा बुलंद किए हुए थे। हालांकि इस दौरान वे जनप्रतिनधियों से भी मिले, प्रशासन से भी मेले की अनुमति रद्द करने का आग्रह किया। आखिरकार इन लोगों ने प्रशासन के सामने ऐसा तथ्य लाया, जो केवल फेस्टीवल मेला ही नहीं बल्कि सभी प्रकार की गतिविधियों के लिए पूर्ण विराम लगाने जैसा हो गया। इन लोगों ने प्रशासन को यह बताया कि यह भूमि जिसे महाराजा मैदान के नाम से पहचाना जाता है वह कृषि भूमि है और कृषि भूमि पर किसी प्रकार की गतिविधि की अनुमति नहीं दी जा सकती है। यह बात सामने आने पर जिला कलक्टर के निर्देश पर उपखंड अधिकारी ने तहसीलदार से जांच करवा इसके कृषि भूमि होने की जानकारी सामने आने के बाद फेस्टीवल मेले पर रोक लगा दी। ऐसे में प्रशासन की ओर से फेस्टीवल मेले पर रोक लगाना भविष्य के लिए एक नजीर बन गया है।

तो फिर ऑनलाइन शॉपिंग के खिलाफ भी क्यो नही उठाते आवाज

जो व्यापारी मेले के विरोध में उनसे एक बड़ा सवाल है उसका भी जवाब देना चाहिए कि उन्होंने अपना व्यापार प्रभावित होने का जो पक्ष प्रशासन के समक्ष रखा वे क्या शहर में कोई कंपनी आकर मॉल लगाने की इच्छा जाहिर करें तो क्या उस पर रोक लगावा सकते है? क्योंकि मॉल भी तो एक मेले की ही तरह होता है, जहां प्रवेश करने के बाद व्यक्ति घर के लिए सभी आवश्यक वस्तुएं लेकर ही बाहर निकलता है। क्या वे ऑन लाइन शॉपिंग पर रोक लगवा सकते है? जिसकी वजह से कथित रूप से उनका व्यापार बुरी तरह प्रभावित हुआ है या हो रहा है। ऑन लाइन शॉपिंग, मॉल चलने की वजह यह है कि ग्राहक हमेशा किफायती और बढि वस्तु खरीदने की चाहत रखता है और ग्राहक को वहां से ये दोनों फायदें मिलते है। व्यापार करना तो सभी का अधिकार है, फिर कोई फेस्टीवल मेला लगाकर करें, या दुकान लगाकर या फिर मॉल बनाकर। यदि कोई भारतीय है तो वह देश में कहीं पर भी जाकर व्यापार कर सकता है, उसे स्थान के आधार पर व्यापार नहीं करने दिया जाए यह तो सही नहीं कहा जा सकता।

अनुमति दे या नही,पशोपेश में प्रशासन

बहरहाल, यह बात तो फेस्टीवल मेले की थी, अब फिर से महाराजा मैदान की तरफ रूख करते है। फेस्टीवल मेले पर प्रशासन की ओर से रोक लगाए जाने के ठीक दूसरे ही दिन बाबा रामदेव सेवा समिति की ओर से जलदाय विभाग के सामने लगने वाले भंडारे की अनुमति को लेकर सेवा समिति के पदाधिकारी उपखंड कार्यालय पहुंचे और उपखंड अधिकारी से अनुमति प्रदान करने का आग्रह किया। उस समय भी उपखंड अधिकारी ने इस भूमि को कृषि भूमि बताते हुए इंकार कर दिया और भंडारा संचालन के लिए दूसरी जगह का चयन करने का आग्रह किया। लेकिन पदाधिकारियों का कहना था कि वे कई सालों से इसी स्थान पर भंडारा संचालित करते आए है, इस वजह से उन्होंने भंडारा इसी स्थान पर संचालित करने की अनुमति मांगी। सेवा समिति के आवेदन को लेकर अब प्रशासन इस पशोपेश में है कि जब यह रिकॉर्ड पर आ चुका है कि यह भूमि कृषि भूमि है और इसका उपयोग अन्य प्रायोजन के लिए नहीं हो सकता, फिर अनुमति कैसे दी जा सकती है। इसे लेकर अब उपखंड अधिकारी ने तहसीलदार, अधिशासी अधिकारी व थानाधिकारी से जांच कर रिपोर्ट पेश करने के लिए कहा है। अब देखना यह है कि जांच रिपोर्ट के बाद आस्था के इस मसले पर प्रशासन क्या निर्णय लेता है भंडारे का आयोजन तो होगा ही पर व्यापारिक धंधा नही कर पाएंगे इस जगह पर क्यू की यह जगह दरबार की है और स्वीकृति अधिकारी देते है जो भंडारे के लिए बाधित नही हो सकता ।

भीलवाड़ा ज़िले के जलग्रहण विकास एवं भू संरक्षण विभाग,

राजस्थान सरकार द्वारा जारी 17 टेंडर नोटिसों की क्रियान्विति पर राजस्थान हाईकोर्ट ने लगाई रोक

द पुलिस पोस्ट

भीलवाड़ा / राजस्थान हाईकोर्ट मुख्य पीठ जोधपुर की एकलपीठ नें अधीक्षण अभियंता एवं परियोजना प्रबंधक वॉटरशेड सेल कम डाटा सेंटर जिला भीलवाड़ा द्वारा जारी टेंडर नोटिस संख्या 11/2024-25 27/204-24 की क्रियान्विति पर रोक लगाते हुये अतिरिक्त मुख्य सचिव ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज विभाग राजस्थान सरकार एवं निदेशक जलग्रहण विकास एवं भू संरक्षण विभाग राजस्थान सहित जिला कलेक्टर भीलवाड़ा एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी, जिला परिषद भीलवाड़ा सहित अधीक्षण अभियंता एवं परियोजना प्रबंधक वॉटरशेड सेल कम डाटा सेंटर जिला भीलवाड़ा को नोटिस जारी कर जवाब तलब किया है। यह आदेश मैसर्स निर्वाण कंस्ट्रक्शन फर्म की याचिका पर माननीय न्यायाधिपति सुश्री रेखा बोराना की एकलपीठ ने जारी किए है। याचिकाकर्ता के अधिवक्ता प्रदीप कलवानिया एडवोकेट एवं एडवोकेट सुशीला कलवानिया ने बताया कि अधीक्षण अभियंता एवं परियोजना प्रबंधक वॉटरशेड सेल जिला भीलवाड़ा द्वारा माह फरवरी 2024 में भीलवाड़ा ज़िले के आठ ब्लॉकों यथा पंचायत समिति, बिजोलिया, बनेड़ा,आसिंद, जहाजपुर, कारेडा, मॉडल, माण्डलगढ़, सुवाना में जलग्रहण विकास एवं भू संरक्षण के कार्य करवाने हेतु आठ अल्पकालीन निविदा सूचना संख्या 06/2023-24 से 13/2023-24 जारी की थी तथा उक्त निविदा सूचना में याचिकाकर्ता सहित अन्य तीन फर्मों ने ऑनलाइन भाग लिया था जिसमें याचिकाकर्ता की फर्म सहित अन्य निविदा में भाग लेने वाली फर्मों की बोलियों का तकनीकी व आर्थिक मूल्यांकन किया गया जिसमें याचिकाकर्ता फर्म की बोली सबसे कम पाए जाने पर निविदा मूल्यांकन समिति द्वारा याचिकाकर्ता को कार्य आदेश जारी करने की अनुशंसा की तथा अधीक्षण अभियंता जलग्रहण विकास एवं भू संरक्षण विभाग भीलवाड़ा द्वारा याचिकाकर्ता को दिनांक 28 व 29 फरवरी 2024 को पत्र जारी कर सिक्योरिटी डिपॉज़िट एवं स्टॉम्प ड्यूटी आदि जमा करवाने हेतु निर्देशित किया जिसकी पालना में याचिकाकर्ता राशि जमा कराने दो उपस्थित हुआ लेकिन सिक्योरिटी राशि जमा करने से इंकार कर दिया और किसी अजनबी व्यक्ति की शिकायत पर श्रीमान जिला कलक्टर भीलवाड़ा के आदेश से मुख्य कार्यकारी अधिकारी जिला परिषद एवं लेखाधिकारी जिला कलेक्टर कार्यालय भीलवाड़ा से जाँच करवा कर टेंडर प्रक्रिया में प्रक्रियात्मक कमियां बताते हुए याचिकाकर्ता के टेंडर को निरस्त करने हेतु श्रीमान अधीक्षण अभियंता जलग्रहण विकास एवं संरक्षण विभाग भीलवाड़ा को दिनांक 19.06.2024 को पत्र जारी कर दिया। तथा याचिकाकर्ता व अन्य फर्मों उक्त टेंडर को निरस्त की सूचना नहीं दी जाकर अपने पसंदीदा फर्म को अनुचित लाभ पहुँचाने के उद्देश्य से टेंडर की शर्तों में बदलाव करते हुए पुनः नए सिरे से 19 समान कार्यों के नए टेंडर नोटिस जारी कर दिए जिसके तहत दिनांक 29 जुलाई 2024 तक नए सिरे से टेंडर हेतु ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित की जा रहे है। याचिकाकर्ता के अधिवक्ता प्रदीप कलवानिया एडवोकेट ने बताया कि श्रीमान अधीक्षण अभियंता जलग्रहण विकास एवं भू संरक्षण विभाग भीलवाड़ा द्वारा पूर्व टेंडर निरस्तीकरण के संबंध में कोई भी सूचना व नोटिस नहीं दिया गया और नहीं निरस्तीकरण बाबत कोई भी सूचना टेंडर प्रक्रिया में बोली लगाने वालों को दी गई। इस प्रकार विभाग द्वारा राजस्थान लोक उपापन में पारदर्शिता अधिनियम 2012 के प्रावधानों का उल्लंघन किया है साथ ही नए टेंडर में मुख्य योग्यता के मानदंडों यथा मुख्य रूप से पिछले पांच वित्तीय वर्षों के औसत वार्षिक टर्नओवर की शर्त को डिलीट कर अपने चहेतों को लाभ पहुँचाने के उद्देश्य से नए टेंडर जारी कर दिए। याचिकाकर्ता उक्त कार्यों के लिए विभाग द्वारा पूर्व में जारी टेंडर प्रक्रिया में एल-1 होने के बावजूद भी को वर्क ऑर्डर जारी नहीं किये जो की विधि विरुद्ध एवं फ्लढढ एक्ट के प्रावधानों के विपरीत है लिहाजा नई टेंडर प्रक्रिया पर रोक लगायी जाए । इस पर राजस्थान हाईकोर्ट जोधपुर की एकलपीठ ने एडवोकेट प्रदीप कलवानिया की दलील पर नए टेंडर नोटिसों की क्रियान्विति पर रोक लगाकर को राहत दी है

सफाईकर्मी भर्ती में वाल्मिकी समाज को प्राथमिकता मिले कोठारी

द पुलिस पोस्ट

भीलवाड़ा विधायक अशोक कोठारी ने नगरीय विकास एवं स्वायत्त शासन विभाग के मंत्री झाबर सिंह खर्रा को अवगत कराया कि वाल्मिकी समाज कई वर्षो से सफाई का कार्य करता आ रहा है, यह कार्य पीढ़ी दर पीढ़ी इनके समाज द्वारा किया जा रहा है। कोरोना काल के दौरान भी वाल्मिकी समाज द्वारा शहर, अस्पताल एवं कॉलोनियों की स्वच्छता में कोरोना वॉरियर बनकर अपने स्वंय के स्वास्थ्य की चिंता न करते हुए पूर्ण समर्पण भाव से सेवा की है। साथ ही आग्रह किया कि सफाई कर्मचारी भर्ती प्रेक्टिकल आधार पर करते हुए भुगतान मस्टरॉल के द्वारा किया जाये। वाल्मिकी समाज परम्परागत रूप से सफाई कार्यों से जुड़े हुए हैं, इनको प्राथमिकता देते हुए निकाय, निगम, परिषद् एवं पालिका में सफाई कार्य किये हुए कार्मिकों को अतिरिक्त बोनस अंक देकर वरीयता दी जावे। इस पर माननीय मंत्री झाबर सिंह खर्रा ने विधानसभा में वाल्मिकी समाज को सफाई कर्मचारियों की भर्ती में पारदर्शी नियम बनाते हुए भर्ती किये जाने हेतु आश्वस्त किया।

ऑपरेशन डोमिनेशन में 2 दिन में 146 आरोपी गिरफ्तार:पुलिस की 70 टीमों ने 240 जगह दबिश दी; 287 पुलिसकर्मी रहे शामिल

द पुलिस पोस्ट

भरतपुर। भरतपुर जिला पुलिस ने अपराधियों के खिलाफ दो दिन के लिए एरिया डोमिनेशन अभियान चलाया। इस अभियान के तहत पुलिस ने 146 अपराधियों को गिरफ्तार किया। पुलिस की 70 टीमों ने 240 जगह दबिश दी। इन टीमों में एडिशनल एसपी से कॉन्स्टेबल तक 287 पुलिसकर्मी शामिल रहे। पुलिस के इस अभियान से अपराधियों में हड़कंप मच गया। यह अभियान 27 और 28 जुलाई को चलाया गया। पुलिस के इस अभियान में हार्डकोर, हिस्ट्रीशीटर, आदतन अपराधी, इनामी, वारंटी, स्थायी वारंटी और मुकदमों में फरार चल रहे 73 बदमाशों को गिरफ्तार किया गया है। अवैध शराब बेचने वाले 5 आरोपियों को गिरफ्तार कर 311 अवैध देसी शराब के पव्वे जब्त किए गए। एनडीपीएस एक्ट में एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया। आरोपी के कब्जे से 6 किलो 70 ग्राम गांजा जब्त किया गया है।अवैध खनन करने वाले अवैध खनन माफियाओं के खिलाफ दो मामले दर्ज कर 1 आरोपी को गिरफ्तार किया गया। साथ ही अवैध खनन के उपयोग में लिए जा रहे 4 ट्रैक्टर और 3 एलएनटी मशीनों को जब्त किया गया है। शांति भंग में 60 लोगों को गिरफ्तार किया गया। इसके साथ ही अलग-अलग मामलों में 23 लोगों को गिरफ्तार किया गया है।

हरियाणा की खापों में प्रेम विवाह पर बहस छिड़ी

चंडीगढ़ । हरियाणा में विधानसभा चुनावों से पहले एक बार फिर प्रेम विवाह लिव इन रिलेशनशिप और समलैंगिक विवाह पर बहस छिड़ गयी है। जींद में खाप पंचायतों की बैठक के बाद नेताओं ने कहा कि प्रेम विवाह में माता पिता की शर्त जरूरी है क्योंकि कोई भी माता पिता अपने बच्चों का गलत नहीं चाहते हैं। जींद में बिनैन खाप के मुखिया रघुबीर नैन ने कहा कि हम खाप प्रेम विवाह के खिलाफ नहीं हैं लेकिन माता-पिता की सहमति बहुत जरूरी है। रघुबीर नैन ने कहा कि लिव-इन रिलेशनशिप और समलैंगिक विवाह पर भी रोक लगनी चाहिए। हम इन मुद्दों को उठाने के लिए प्रधानमंत्री मोदी से मिलेंगे और मौजूदा सरकार पर दबाव बनाने के लिए विपक्ष के नेताओं से भी मिलेंगे। अगर हमारी मांगों और हिंदू कोड बिल में संशोधन पेश नहीं किया गया तो हम विरोध प्रदर्शन करेंगे। खाप पंचायतों की बैठक में तीनों मुद्दों पर सर्वसम्मति दिखाई दी। खाप नेता इन मुद्दों को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मिलेंगे। जींद में बैठक के बाद खाप नेताओं ने इसके संकेत दिए। हरियाणा में खाप पंचायतों के मीटिंग ऐसे वक्त पर हुई है जब राज्य में बारिश का मौसम खत्म होते ही विधानसभा चुनाव होने हैं। खाप पंचायतें पहले भी प्रेम विवाह का विरोध करती आई हैं। अब उन्होंने माता-पिता की मंजूरी का जरूरी और समान गोत्र में शादी को प्रतिबंधित करने की मांग की है। गौरतलब है कि हरियाणा कई जिलों में खाप पंचायतों का काफी प्रभाव है।

नशे में धुत नग्न कपल सड़कों पर घूमा

नागपुर । यहां के बजाज नगर इलाके में आधी रात को कुछ लोगों की नजर एक कपल पर पड़ी। इस कपल के शरीर पर कपड़े नहीं थे। अज्ञात नग्न जोड़े को राहगीर देखकर चौंक गये। कुछ लोगों ने कपल का वीडियो बना कर उसे सोशल मीडिया पर पोस्ट कर दिया। वीडियो में दिखा कि महिला-पुरुष का यह जोड़ा आपस में झगड़ रहा है। वीडियो वायरल हुआ और नागपुर पुलिस ने कपल की जांच शुरू कर दी। वहां मौजूद लोगों ने दावा किया कि कपल नशे में था जबकि पुलिस का दावा है कि यह जोड़ा मानसिक रूप से अस्वस्थ्य था इसलिए कार्रवाई नहीं की गई। सड़क पर बहस करते इस नग्न जोड़े का एक वीडियो रविवार सुबह तक सोशल मीडिया पर छा गया। अधिकांश लोगों ने टिप्पणियों में शहर में अक्सर होने वाली ऐसी घटनाओं पर चिंता व्यक्त की है। हाल ही में दो जोड़े बाइक और चलती कार में अंतरंग होते हुए वीडियो में कैद हुए थे। पुलिस ने दोनों मामलों में कार्रवाई की और इसमें शामिल लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया था।

प्रेमी के चेहरे पर फेंका तेजाब, प्रेमिका गिरफ्तार

आगरा । आगरा में एक प्रेमिका ने अपपने प्रेमी पर तेजाब फेंक दिया। पुलिस ने प्रेमिका को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने बताया कि 27 जुलाई को हरीपर्वत क्षेत्र के शास्त्रीनगर में एक युवक अपनी दुकान पर बैठा था। तभी वहां एक महिला आई। उसने अपने थैले से एक डिब्बा निकाला और युवक के चेहरे पर तेजाब फेंक दिया। इसके बाद महिला फरार हो गई थी। पीड़ित ने थाने में तहरीर दी। पुलिस ने जब पीड़ित से पूछताछ की तो उसने बताया कि तेजाब फेंकने वाली महिला से पहले उसके प्रेम संबंध थे। वो उसकी प्रेमिका थी। जब उसने प्रेमिका से शादी करने को कहा तो उसने मना कर दिया था। इसके बाद दोनों ने एक दूसरे से दूरी बना ली थी। कुछ दिन पहले उसकी किसी दूसरी युवती से शादी तय हो गई। प्रेमिका को इसकी जानकारी हुई। उसने मिलने के लिए कहा। 27 तारीख को मिलने के बहाने दुकान पर आई थी। वो कुछ समझ पाता इससे पहले उसने तेजाब फेंक दिया। पुलिस ने तहरीर के बाद युवक की पूर्व प्रेमिका को गिरफ्तार कर लिया है।

जनसंख्या वृद्धि बच्चे पैदा करने से नहीं, घुसपैठ के कारण बढ़ रही : विहिप

जोधपुर। विश्व हिंदू परिषद (विहिप) के राष्ट्रीय अध्यक्ष आलोक कुमार ने कहा कि हिंदुओं को दो से तीन बच्चे पैदा करने चाहिए। उन्होंने कहा कि जनसंख्या वृद्धि बच्चे पैदा करने से नहीं, बल्कि घुसपैठ के कारण बढ़ रही है। उन्होंने यूपी में खाने-पीने की दुकान के बाहर संचालक का नाम लिखे जाने की पैरवी की। उन्होंने दावा किया कि बीजेपी सरकार नहीं, बल्कि कांग्रेस की मनमोहन सरकार ने 2011 में फूड सेफ्टी एंड स्टैंडर्ड एक्ट में बदलाव कर संचालक का नाम लिखने का आदेश दिया था। आलोक ने मंदिरों में अंग्रेजी बोलने वाले पुजारियों के लिए इंस्टीट्यूट शुरू करने की बात भी कही। आलोक विहिप के केंद्रीय अधिवेशन में शामिल होने जोधपुर गए थे। मीडिया से चर्चा में आलोक ने कहा कि चीन ने एक नियम बनाया है। इसमें एक ही बच्चा रखने की बात कही गई है। इससे बच्चों की जनसंख्या घटने लगी है। ऐसे में बुजुर्गों की संख्या बढ़ जाती है। रिसर्च कहती है कि एक बच्चा अहंकारी हो जाता है। उसे किसी से मिलना-जुलना अच्छा नहीं लगता। इसलिए हमारा मानना है कि दो या तीन बच्चे ही घर में अच्छे होते हैं। हम उसके लिए प्रयत्न करेंगे और लोगों को समझाएंगे भी। उन्होंने कहा कि जनसंख्या का असंतुलन केवल बच्चे पैदा करने में बढ़त की वजह से ही नहीं हो रहा है। वह घुसपैठ के कारण भी हो रहा है।

मॉडल स्टेट गुजरात में हर चौथा बच्चा कुपोषण का शिकार

अहमदाबाद। लोकसभा में पेश की गई एक रिपोर्ट के मुताबिक, गुजरात में 5 साल से कम उम्र के 39.73 फीसदी बच्चे कुपोषित हैं। यानी राज्य में हर चौथे बच्चे में कुपोषण की समस्या है7 इसके अलावा 21.39 फीसदी बच्चे कम वजन के पाए गए। जून 2024 में कुपोषण की सबसे अधिक समस्या वाले राज्यों में गुजरात छठे स्थान पर था। उत्तर प्रदेश में सर्वाधिक 46.36 प्रतिशत, महाराष्ट्र में 44.59 प्रतिशत, असम में 41.98 प्रतिशत बच्चे कुपोषित हैं। बच्चों में कुपोषण के मामले में गुजरात की स्थिति त्रिपुरा, झारखंड, ओडिशा, छत्तीसगढ़ जैसे राज्यों से भी बदतर है। गुजरात में बाल कुपोषण की स्थिति में सुधार नहीं हो रहा है। वर्ष 2022 में 51.92 प्रतिशत और वर्ष 2023 में 43.78 बच्चे कुपोषित थे। ऐसा लगता है कि सरकार को कुपोषण की इस स्थिति को दूर करने में कोई दिलचस्पी नहीं है। मिशन पोषण 2.0 के तहत पिछले 3 साल में गुजरात को 2879.30 करोड़ रुपये का फंड दिया गया है. इसमें से केवल 1310.23 करोड़ रुपये की धनराशि का उपयोग किया गया है। राज्य के बच्चे न केवल कुपोषित हैं, बल्कि कम वजन के भी हैं। 5 साल तक के 21.39 फीसदी बच्चे कम वजन के हैं। गुजरात में 2023 में 20.40 प्रतिशत, 2022 में 23.54 प्रतिशत बच्चे कम वजन के थे। जिससे प्रतीत होता है कि इस मामले में सिस्टम की ओर से भी कोई कार्रवाई नहीं की गयी है. जून 2024 तक देश में 36.52 प्रतिशत बच्चे कुपोषित और 16.43 प्रतिशत बच्चे कम वजन के हैं। ऐसे में गुजरात की हालत देश के औसत से भी कमजोर है. कम वजन की समस्या वाले बड़े राज्यों में मध्य प्रदेश के बाद गुजरात दूसरे स्थान पर है।

लव जिहाद की आशंका : युवती का चेहरा और प्राइवेट पार्ट कुचलकर बेरहमी से कर दी हत्या, प्रदर्शन शुरु

मुंबई। नबी मुंबई में एक 20 साल की युवती की बेरहमी से हत्या कर दी गई। आरोपी दाऊद शेख ने पहले युवती का सिर कुचला, जिससे उसकी मौत हो गई,इसके बाद भी मन नहीं भरा तो उसका प्राइवेट पार्ट कुचल दिया। हत्यारा फरार है और लोगों में भारी नाराजगी है, जिसके चलते विरोध प्रदर्शन शुरु हो गए हैं लोग इसे लव जिहाद का मामला मान रहे हैं। मृतका यशश्री नवी मुंबई के बेलापुर में एक प्राइवेट कंपनी में काम करती थी। 25 जुलाई को वह सुबह काम पर निकली, लेकिन तब से उसका कुछ पता नहीं चला। उसका शव 27 जुलाई को उरण में मिला। उसके शरीर पर धारदार हथियार से वार के कई निशान है। कथित तौर पर आरोपी ने हत्या करने के बाद शव को क्षत-विक्षत किया। यशश्री शिंदे के पिता ने पुलिस को दिए अपने बयान में दाऊद शेख नाम के शख्स पर हत्या का आरोप लगाया है। वहीं, मेडिकल जांच के बाद पता चलेगा कि लड़की के साथ दुष्कर्म हुआ है या नहीं। पुलिस ने आरोपी की तलाश के लिए तीन टीमें बनाई हैं। पुलिस को शक है कि आरोपी बेंगलुरु (कर्नाटक) भाग गया है।रिपोर्ट्स के मुताबिक, जब यशश्री शिंदे 11वीं में पढ़ती थी तो आरोपी दाऊद शेख ने कथित तौर पर उसके साथ अश्लील हरकत की थी। तब यशश्री नाबालिग थी, इसलिए दाऊद शेख के खिलाफ पॉस्को एक्ट के तहत केस दर्ज कर उसे गिरफ्तार किया गया था। इस बीच पूरी घटना को लव जिहाद से भी जोड़कर देखा जा रहा है।डिप्टी कमिश्नर (डीसीपी) विवेक पानसरे ने बताया कि रात 2 बजकर 15 मिनट पर युवती का शव बरामद किया गया। उन्होंने कहा कि पीड़िता बेलापुर में काम करती थी और उसने शुक्रवार को आधे दिन की छुट्टी ली थी।

सुप्रीम कोर्ट का ऐतिहासिक कदम, शुरू हुआ विशेष लोक अदालत, सीजेआई ने की यह खास अपील

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट में लंबित मामलों की संख्या कम करने के उद्देश्य से सुप्रीम कोर्ट ने अपनी पहली विशेष लोक अदालत शुरू की है। लोक अदालत 29 जुलाई से 3 अगस्त तक लगेगी। लोक अदालत हर दिन दोपहर 2 बजे के बाद आयोजित की जाएगी और मामले की सुनवाई के लिए सुप्रीम कोर्ट के दो न्यायाधीश, एक वरिष्ठ वकील और एक एडवोकेट-ऑन-रिकॉर्ड होंगे। इस मौके पर सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ ने कहा कि इस पूरे हफ्ते सुप्रीम कोर्ट की 7 बेंचों द्वारा लोक अदालत का आयोजन किया जा रहा है। आज हमारा अनुभव यह था कि यह एक ज़बरदस्त सफलता थी। लोक अदालत जिसमें बार, सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीशों का सहयोग है और उच्च न्यायालयों, राज्य सरकारों और बीमा कंपनियों द्वारा व्यापक जमीनी काम किया गया है।

सीजेआई ने आगे कहा कि विचार यह है कि छोटे-छोटे मामले निपटाए जाएं। लोगों को पता ही नहीं चलता कि सुप्रीम कोर्ट में छोटे-छोटे मामले कैसे आते हैं। इसलिए हमने सेवा विवाद, श्रम विवाद, भूमि अधिग्रहण मामले, मोटर दुर्घटना दावा मामले, चेक अनादरण मामले से जुड़े मामलों को चुना। उन्होंने आगे कहा कि न्यायाधीशों के साथ लोक अदालत पैनल के हिस्से के रूप में बार सदस्यों की उपस्थिति ने पूरे समाज में सही संदेश भेजा है कि हम न्याय करने के अपने प्रयासों में एकजुट हैं, खासकर इन छोटे मामलों में शामिल नागरिकों को। मुझे उम्मीद है कि यह लोक अदालत अब भविष्य में उच्चतम न्यायालय में संस्थागत हो जायेगी।

डीवाई चंद्रचूड़ ने कहा कि मुझे एक मामला याद है जिसमें पति ने तलाक की कार्यवाही पटियाला हाउस कोर्ट में दायर की थी और उसकी पत्नी ने भरण-पोषण की कार्यवाही दायर की थी और बच्चों की कस्टडी के लिए याचिका दायर की थी। प्री-लोक अदालत की बैठक में दोनों एक साथ आए और दोनों ने फैसला किया कि वे साथ रहेंगे। इसलिए जब वे दोनों लोक अदालत के सामने आए, तो मैंने उनसे पूछा, उन्होंने कहा कि उन्होंने खुशी-खुशी साथ रहने का फैसला किया है। पत्नी ने कहा कि मुझे भरण-पोषण नहीं चाहिए क्योंकि हम बहुत खुशी से साथ रह रहे हैं।

सीजेआई ने कहा, ''अपने सभी सहयोगियों और उच्चतम न्यायालय के कर्मचारियों की ओर से, मैं उन सभी नागरिकों या वकीलों से अपील करूंगा, जिनके मुकदमे उच्चतम न्यायालय में लंबित हैं कि वे अपने मुकदमों का तेजी से निपटारा करने की कवायद के तहत इस अवसर का फायदा उठाएं।

वरिष्ठ वकील और राज्यसभा सांसद कपिल सिब्बल ने कहा कि मुझे लगता है कि यह एक ऐतिहासिक दिन है। इस न्यायालय के इतिहास में पहले कभी नहीं, न्यायालय छोटे-छोटे मामलों के लिए उन लोगों तक पहुंचा है जो वर्षों तक लंबित रहते हैं। यह न्यायालय की मानसिकता को दर्शाता है कि वे कैसे सबसे गरीब लोगों तक पहुंचना चाहते हैं जो वर्षों तक इस मुकदमे से निपटने में सक्षम नहीं हैं, जिला-स्तरीय कानूनी सेवा प्राधिकरण तक पहुंचें, प्रयास करें और उन्हें हल करें, और फिर उन मामलों के अंतिम समाधान के लिए इसे यहां भेजें। मुझे इस प्रयास को आगे बढ़ाने के लिए मुख्य न्यायाधीश और पूरे सुप्रीम कोर्ट को बधाई देनी चाहिए।

सिद्धारमैया सरकार के खिलाफ बीजेपी-जेडीएस की संयुक्त पदयात्रा... 3 अगस्त से

बेंगलुरु। कर्नाटक की सिद्धारमैया सरकार के खिलाफ बीजेपी-जेडीएस ने संयुक्त तौर पर मोर्चा खोलने की घोषणा की है। दोनों दलों की ओर से भ्रष्टाचार के मुद्दों को लेकर 3 अगस्त से पदयात्रा निकलेगी। इसमें दोनों दलों के बेंगलुरु से मैसूर तक एक सप्ताह की पदयात्रा करने का ऐलान किया है। पदयात्रा में मैसूर में कथित भूमि आवंटन घोटाले की सीबीआई जांच कराने की मांग कर मुख्यमंत्री सिद्धारमैया से इस्तीफे मांगा जाएगा। राज्य में मुडा घोटाले को लेकर सियासत जारी है। बीजेपी के वरिष्ठ नेता और पूर्व सीएम वरिष्ठ बी एस येदियुरप्पा ने सिद्धारमैया से इस्तीफे की मांग की है। सिद्धारमैया सरकार के खिलाफ बीजेपी और जेडीएस की संयुक्त मीटिंग हुई थी। मीटिंग के बाद दिग्गज भाजपा नेता येदियुरप्पा ने कहा कि कांग्रेस की भ्रष्ट सरकार के खिलाफ बेंगलुरु से मैसूर तक हम पैदल यात्रा करने वाले हैं। हम जनता से आह्वान करते हैं कि वे इसमें हमारा साथ दे। मैं राज्य की जनता से अपील करना चाहता हूं कि वे अधिक से संख्या में इस मार्च में शामिल हों। जब तक यह सरकार इस्तीफा नहीं देती है, तब तक तक प्रदर्शन जारी रहेगा। जब तक मुख्यमंत्री इस्तीफा नहीं दे देते हैं, तब तक हम संघर्ष जारी रखा जाएगा। वहीं दूसरी ओर बेंगलुरु पहुंची केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि कर्नाटक में महंगाई और खराब कानून-व्यवस्था कांग्रेस सरकार की देन है। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरमैया द्वारा राज्य के साथ अन्याय करने के आरोप पर सीतारमण ने कहा कि राज्य की अर्थव्यवस्था मुख्य रूप से ईंधन, दूध और स्टांप शुल्क की कीमतों में बढ़ोतरी के साथ-साथ बदहाल पूंजीगत व्यय के कारण खराब हुई है।

बाहरियों को बेची गई अयोध्या की जमीन, सांसद अवधेश प्रसाद ने भूमि घोटाले की जांच की मांग की

नई दिल्ली (एजेंसी)। समाजवादी पार्टी के सांसद अवधेश प्रसाद ने सोमवार को अयोध्या शहर और उसके आसपास कथित भूमि घोटाले की जांच की मांग की और दावा किया कि भाजपा ने क्षेत्र के लोगों को धोखा दिया है। लोकसभा में बजट पर बहस में भाग लेते हुए, प्रसाद ने आरोप लगाया कि भाजपा अयोध्या के नाम पर राजनीति और व्यापार में लगी हुई है और इसलिए, शहर के लोगों ने भगवा पार्टी को खारिज कर दिया है। प्रसाद पिछले आम चुनाव में उत्तर प्रदेश के फैजाबाद निर्वाचन क्षेत्र से लोकसभा के लिए चुने गए थे जिसके अंतर्गत अयोध्या आता है। उन्होंने दावा किया, बजट में अयोध्या और उत्तर प्रदेश का कोई जिक्र नहीं है। भाजपा ने अयोध्या के नाम पर केवल राजनीति और व्यापार किया है। भाजपा ने अयोध्या के लोगों को चोट पहुंचाई है।

राम मंदिर के निर्माण के दौरान मंदिर शहर और उसके आसपास कथित भूमि घोटाले की जांच की मांग करते हुए, सपा नेता ने कहा कि संसद को कथित अनियमितताओं की जांच के लिए एक समिति का गठन करना चाहिए और रिपोर्ट सदन में पेश की जानी चाहिए। देश के लोगों को पता होना चाहिए कि कैसे अयोध्या के लोगों को धोखा दिया गया, कैसे अयोध्या को नष्ट किया गया और कैसे बुलडोजर का उपयोग करके इमारतों को नष्ट कर दिया गया। प्रसाद ने दावा किया कि भाजपा देश से 'सफाया' हो जाएगी। उन्होंने कहा कि बीजेपी 2027 में यूपी में और 2029 में पूरे देश में हार जाएगी। बहस में भाग लेते हुए, भाजपा नेता विष्णु दत्त शर्मा ने कहा कि बजट प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'विकसित भारत' के दृष्टिकोण को पूरा करेगा।

उन्होंने कहा कि एक गरीब का बेटा होने के नाते मोदी देश के गरीब लोगों का दर्द समझते हैं और इसलिए वे वंचित लोगों के कल्याण के लिए लगातार काम कर रहे हैं। शर्मा ने कहा कि बजट में युवाओं के लिए 2 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है, जिससे 10 वर्षों में देश के चार करोड़ युवाओं के लिए रोजगार पैदा करने में मदद मिलेगी।

राहुल गांधी पर राजनाथ का पलटवार, बोले- अग्निवीरों को लेकर देश को गुमराह करने की हो रही कोशिश

नई दिल्ली (एजेंसी)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सोमवार को लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के एक बयान पर कड़ी आपत्ति जताई, जहां गांधी ने दावा किया था कि युवाओं को अग्निवीर %चक्रव्यूह% में फंसा दिया गया है और सरकार ने अग्निवीरों के लिए पेंशन के लिए बजट में कोई प्रावधान नहीं किया है। विपक्षी नेता के भाषण के बाद लोकसभा में एक बयान में रक्षा मंत्री ने गांधी के दावों पर आपत्ति जताई और कहा कि योजना के संबंध में देश को गुमराह करने का प्रयास किया जा रहा है। सिंह ने विपक्षी नेता के अनुरोध पर सदन के समक्ष अग्निवीर पर एक विस्तृत बयान देने की इच्छा व्यक्त की।

राजनाथ ने इस दौरान साफ तोर पर कहा कि नेता प्रतिपक्ष ने बजट से संबंधित जो भी भ्रांतियां पैदा की हैं, उस पर वित्त मंत्री जवाब देते समय बात करेंगी। मेरा मानना है कि बजट को लेकर कई भ्रांतियां पैदा की गई हैं। सिंह ने कहा, ''देश की सुरक्षा का मुद्दा संवेदनशील मुद्दा है। सेना से जुड़े अग्निवीरों को लेकर देश को गुमराह करने की कोशिश की जा रही है। जब भी आपका (लोकसभा अध्यक्ष) आदेश होगा मैं अग्निवीरों को लेकर अपना बयान देने के लिए तैयार हूं।''

इससे पहले राहुल गांधी ने कहा कि रक्षा मंत्री ने पहले भी कहा था कि एक 'शहीद' अग्निवीर के परिवार को एक करोड़ रुपये का मुआवजा दिया गया। कांग्रेस नेता ने कहा, ''उनकी बात गलत थी। उस परिवार को बीमा दिया गया था, मुआवजा नहीं। यह सच है। इसे कोई नकार नहीं सकता।'' राहुल गांधी के भाषण के दौरान संसदीय कार्य मंत्री किरेन रीजीजू ने कहा कि नेता प्रतिपक्ष को सदन के नियमों के बारे में पता होना चाहिए और उन्हें सदन की कार्य प्रक्रियाओं का पालन करना चाहिए।

राजस्थान में अनुसूचित जाति एवं जनजाति के खिलाफ अपराध तेजी से बढ़े : गहलोत

जयपुर। पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने सोमवार को आरोप लगाया कि राजस्थान में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सरकार आने के बाद से अनुसूचित जाति एवं जनजाति के खिलाफ अपराध तेजी से बढ़े हैं तथा मुख्यमंत्री को इन मामलों का संज्ञान लेकर दलितों एवं आदिवासियों की सुरक्षा सुनिश्चित करनी चाहिए। शेरगढ़ में हुई एक घटना की खबर साझा करते हुए गहलोत ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर कहा, 'राजस्थान में हमारी सरकार के दौरान अनुसूचित जाति एवं जनजाति के विरुद्ध होने वाले अपराधों पर त्वरित कार्रवाई की जाती थी एवं पुलिस हमेशा पीड़ित पक्ष के साथ मजबूती से खड़ी दिखती थी।' उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार बदलने के बाद से ही प्रदेश में अनुसूचित जाति एवं जनजाति के खिलाफ अपराधों में तेजी से बढ़ोतरी हुई है। कांग्रेस नेता ने कहा कि दलितों एवं आदिवासियों के विरुद्ध अपराधों में दिसंबर 2023 की तुलना में 2024 के जनवरी, फरवरी, मार्च, अप्रैल, मई और जून में क्रमशः 32.7 फीसदी, 33.7 प्रतिशत, 34.1 फीसदी, 19.5 प्रतिशत, 62.5 फीसदी एवं 53.37 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। गहलोत ने कहा कि जोधपुर की यह घटना दिखाती है कि दलितों के खिलाफ अत्याचारों पर सरकार और पुलिस का कोई ध्यान नहीं है।' उन्होंने दावा किया, 'पुलिस आरोपियों को पकड़ नहीं पा रही है, लेकिन आरोपी पीड़ितों पर आसानी से हमले कर पा रहे हैं।' गहलोत ने कहा कि ऐसी घटनाएं राजस्थान की सरकार के 'माथे पर कलंक' हैं जिनकी जिम्मेदारी से 'वह बच नहीं सकती है।' उन्होंने कहा, 'मुख्यमंत्री जी को स्वयं संज्ञान लेकर दलितों एवं आदिवासियों की सुरक्षा सुनिश्चित करनी चाहिए।

शरद पवार ने महाराष्ट्र में मणिपुर जैसी अशांति की आशंका पर चिंता जताई

लखनऊ (एजेंसी)। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) प्रमुख शरद पवार ने महाराष्ट्र में मणिपुर जैसी अशांति की आशंका पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए कहा है कि देश के विकास के लिए सामाजिक एकता जरूरी है।

हालांकि, उन्होंने यह नहीं बताया कि वह ऐसा क्यों सोचते हैं। रविवार शाम को सामाजिक एकता सम्मेलन को संबोधित करते हुए पवार ने मणिपुर में जातीय संघर्ष से निपटने के केंद्र सरकार के तरीके की भी आलोचना की। मणिपुर में पिछले साल मई में शुरू हुए जातीय संघर्ष में अब तक 200 से अधिक लोग मारे गए हैं। पवार ने कहा, ''हमारे देश के विकास और अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के लिए सामाजिक एकता आवश्यक है। तनाव और विभाजन की वर्तमान स्थिति चिंताजनक है। देश में बढ़ते मतभेद के लिए जाति, धर्म और से परे एकता की आवश्यकता है। सामाजिक एकता को बढ़ावा देने की जिम्मेदारी सरकार की है।'' उन्होंने कहा कि दुर्भाग्यवश सरकार इन मुद्दों के समाधान के लिए प्रभावी कदम उठाने में विफल रही है। मणिपुर में पिछले साल मई से ही बहुसंख्यक मेइती समुदाय और कुकी आदिवासियों के बीच बड़े पैमाने पर हिंसा हुई। पवार ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर भी निशाना साधा और कहा कि उन्होंने अभी तक हिंसा से प्रभावित पूर्वोत्तर राज्य का दौरा नहीं किया है। उन्होंने दावा किया कि प्रभावित लोगों की परेशानी को दूर करने के लिए प्रधानमंत्री की ओर से स्पष्ट रूप से प्रयासों की कमी दिखाई दे रही है।

केशव हैं कि मानते नहीं, फिर दिखाए अपने तेवर, कहा- सरकार के बल पर नहीं जीता जाता चुनाव

लखनऊ (एजेंसी)। लखनऊ में भाजपा पिछड़ा वर्ग मोर्चा की प्रदेश कार्यसमिति में लोकसभा चुनाव के नतीजों को लेकर चर्चा हुई। ओबीसी कार्यसमिति की बैठक में डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने एक बार फिर अपने तेवर दिखाए हैं। केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि सरकार के बल पर चुनाव नहीं जीता जाता है। उन्होंने कहा कि पार्टी ही जीतती है। उत्तर प्रदेश में लोकसभा का चुनाव अति आत्मविश्वास से हारा गया है। ओबीसी कार्यसमिति की बैठक में केशव प्रसाद ने कहा कि समाज और सरकार एक दूसरे के पूरक हैं। सरकार और संगठन दोनों मिलकर ही सरकार चलाते हैं।

भाजपा नेता और उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने उत्तर प्रदेश विधानसभा में विपक्ष के नेता (एलओपी) के रूप में माता प्रसाद पांडे की नियुक्ति को लेकर समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव पर 'पीडीए' कटाक्ष किया। यादव ने लोकसभा चुनाव से पहले पीडीए का संक्षिप्त नाम तैयार किया और आरोप लगाया कि उनकी प्रतिद्वंद्वी पार्टियों ने पीडीए - 'पिछड़े, दलित और अल्पसंख्यक' (पिछड़े, दलित और अल्पसंख्यक) समुदाय के लिए कुछ नहीं किया है। समाजवादी पार्टी ने रविवार को सात बार के विधायक माता प्रसाद पांडे को राज्य विधानसभा में एलओपी नियुक्त किया।

सोमवार को विधानसभा का मानसून सत्र शुरू होने से पहले मीडिया से बात करते हुए मौर्य ने अखिलेश यादव की आलोचना करते हुए कहा कि अखिलेश की असलियत उजागर हो गई है. उन्होंने दोहराया कि पीडीए एक महत्वपूर्ण धोखाधड़ी का प्रतीक है और माता प्रसाद पांडे के प्रति अपना सम्मान व्यक्त करते हुए उन्हें उनकी नई भूमिका के लिए बधाई दी। मौर्य ने यह भी बताया कि मौजूदा फीडबैक से पता चलता है कि लोकसभा चुनाव में वोट हासिल करने के लिए अखिलेश यादव ने लोगों को गुमराह किया, जिससे उस वर्ग के नेताओं में भारी निराशा हुई, जिनकी कई आकांक्षाएं थीं।

लगातार हो रहे आतंकी हमलों की वजह: जम्मू कश्मीर के लोग ही आतंकियों को दे रहे शरण?

जम्मू (एजेंसी)। घर का भेदी लंका ढाह। ये कहावत जम्मू कश्मीर के उन लोगों पर सटीक बैठ रही है जो पाकिस्तान से आए आतंकियों को पनाह दे रहे हैं। सुरक्षा बलों की धरपकड़ और जांच एजेंसियों की जांच में कुछ इस तरह के इनपुट मिले हैं। गिरफ्तारियों ने जम्मू-कश्मीर के जम्मू क्षेत्र में आतंकवादी गतिविधियों के फिर से उभरने में स्थानीय समर्थन के संदेह को बल दिया है। पुलिस ने बताया कि सुरक्षाबलों ने अलर्ट रहकर पड़ताल की उसके बाद आतंकवाद से संबंधित गतिविधियों का समर्थन करने के लिए दो ओवर ग्राउंड वर्कर्स की पहचान की गई और उन्हें गिरफ्तार किया गया। वे हैं गम्मी का बेटा लायाकत अली उर्फ पावु जो वार्ड नंबर 7 कलना धनु परोल, बिलावर, कठुआ का रहने वाला है। दूसरा मूल राज, उर्फ जेनजू, उत्तम चंद का बेटा, बाउली मोहल्ला, मल्हार, कठुआ जिले का ही निवासी।अली और राज पीर पंजाल पर्वतमाला में घनी बस्तियों के निवासी हैं जो जम्मू-कश्मीर से होकर गुजरती है। यह इलाका दक्षिण में जम्मू और उत्तर में कश्मीर घाटी से घिरा है। निवासी मीलों दूर रहते हैं। यह वह इलाका है, जहां इंटरनेट सर्विस तो दूर मोबाइल नेटवर्क भी नहीं है। यहां रात में किसी के दस्तक देने का मतलब कोई आतंकवादी है, पुलिस या कोई परिवार का सदस्य।

स्थिति गंभीर प्रश्न उठाती है। ये पाकिस्तानी आतंकवादी इस चुनौतीपूर्ण परिदृश्य में घातक हमले करने और पकड़ से बचने के लिए कैसे मैनेज करते हैं? क्या उनके पास कोई स्थानीय समर्थन प्रणाली है, या वे गरीब ग्रामीणों को बंदूक की नोक पर धमकाकर या रुपयों का लालच देकर शरण ले रहे हैं? अधिकारियों ने लंबे समय से दावा किया है कि इन पाकिस्तानी आतंकवादियों के लिए स्थानीय समर्थन महत्वपूर्ण है, जिन्हें जगह की स्थिति की जानकारी नहीं है। एक सेवानिवृत्त सेना अधिकारी ने कहा, स्थलाकृति और सुरक्षा लेआउट से अपरिचित विदेशी आतंकवादी स्थानीय मार्गदर्शन के बिना प्रभावी ढंग से काम नहीं कर सकते हैं। वे अपने ठिकाने से एक कदम भी बाहर नहीं जा सकते। लेकिन उन्होंने अपनी जगह चुनी और वहीं पर हमला किया जो स्थानीय समर्थन और रास्ता दिखाए बिना संभव नहीं है। सुरक्षा सूत्रों के अनुसार, जंगल युद्ध में प्रशिक्षित 60 से अधिक विदेशी आतंकवादी जम्मू क्षेत्र में छोटे समूहों में सक्रिय हैं। ये समूह इरीडियम सैटेलाइट फोन और थर्मल इमेजरी सहित उन्नत तकनीक से लैस हैं। वे अमेरिकी एम4 कार्बाइन जैसे हाइटेक हथियारों का उपयोग करते हैं।

स्टोन कटिंग फैक्ट्री में काम के दौरान मजदूर की मौत

गुस्साए परिजनों और ग्रामीणों ने डेडबॉडी रखकर किया हंगामा, मुआवजे की मांग

बयाना। बयाना कस्बे के रीको एरिया स्थित एक स्टोन कटिंग फैक्ट्री में स्टोन ब्लॉक गिरने से हुए हादसे में मजदूर गांव त्यौहारी निवासी रामिनवास जाटव (36) की मौत से गुस्साए परिजनों और ग्रामीणों ने शाम फैक्ट्री परिसर में विरोध प्रदर्शन किया।

परिजन और सैंकड़ों की संख्या में ग्रामीण मजदूर की डेड बॉडी को एंबुलेंस में लेकर फैक्ट्री पहुंच गए और फैक्ट्री मालिक से मुआवजा देने की मांग को लेकर नारेबाजी की। मृतक परिवार की कुछ महिला परिजन भी मौके पर आ गई। जिनका रो-रोकर बुरा हाल हो गया।

परिजनों ने फैक्ट्री मालिक और पुलिस प्रशासन पर आपस में मिलीभगत करने का भी आरोप लगाया। ग्रामीणों का कहना था कि पत्थर से भरी गाड़ी को खाली करते समय फैक्ट्री मालिक की लापरवाही से हादसा हुआ है।

हंगामे की सूचना पर बाद में एडिशनल एसपी बृजेंद्र सिंह भाटी, डिप्टी एसपी अमर सिंह मीणा, तहसीलदार विनोद मीणा और कोतवाली थाने के एसआई करतार सिंह जाब्ते के साथ मौके पर पहुंचे।

इसके बाद पुलिस अधिकारियों की मौजूदगी में फैक्ट्री मालिक और ग्रामीणों के बीच चली करीब एक घंटे की वार्ता के बाद परिजन शव को अंतिम संस्कार के लिए घर ले जाने पर राजी हुए। बताया गया कि फैक्ट्री मालिक रीको एसोसिएशन के सहयोग से मृतक के परिजनों को 5-6 लाख रुपये बतौर मुआवजा देने पर सहमत हो गए हैं।

सीओ अमर सिंह मीणा ने बताया कि गत 22 जुलाई को रीको एरिया स्थित यूनिट पर काम के दौरान छत से गिरकर मजदूर गांव त्यौहारी निवासी रामनिवास जाटव पुत्र कस्तूरी गंभीर रूप से घायल हो गया था। जिसकी 25 जुलाई की रात जयपुर के अस्पताल में उपचार के दौरान मौत हो गई।

सुबह जयपुर में पोस्टमार्टम के बाद मृतक के परिजन और ग्रामीण मजदूर की डेड बॉडी को एंबुलेंस में रखकर रीको एरिया स्थित फैक्टरी पर पहुंच गए और मुआवजे की मांग को लेकर हंगामा किया। मौके पर पहुंचकर दोनों पक्षों के बीच समझाइश कर मामले का समाधान कर दिया। उसके बाद परिजन और ग्रामीण डेडबॉडी को घर ले जाने पर सहमत हो गए।

बीकानेर पुलिस ने जब्त किए सवा सौ मोबाइल

चोरी और गुम हुए 32 लाख रुपए के मोबाइल पुलिस ने मालिक तक पहुंचाए

बीकानेर। बीकानेर पुलिस ने चोरी और गुम हुए सवा सौ से ज्यादा मोबाइल बरामद कर लिए हैं। ऑपरेशन वायरस के तहत पुलिस ने जो मोबाइल जब्त किए हैं, उनकी कीमत करीब 32 लाख रुपए आंकी जा रही है। दूरसंचार विभाग के ऑनलाइन पोर्टल ष्टश्वड्ढक्रऔर पुलिस साइबर सेल पर दर्ज शिकायतों के आधार पर ये मोबाइल जब्त किए गए हैं।

जिला पुलिस अधीक्षक बीकानेर तेजस्वनी गौतम ने बताया कि जिले में कई लोगो के मोबाईल गुम होने की शिकायत दूरसंचार विभाग के ऑनलाईन पोर्टल ष्टश्वड्ढक्र पर दर्ज होती है। इसके अलावा पुलिस के साईबर सैल में लगातार मोबाइल चोरी की शिकायत मिल रही है। इनमें अधिकांश मोबाइल महिलाओं, बुजुर्ग, विद्यार्थी व मजदूर वर्ग के थे। ज्यादातर लोगों ने बडी मुश्किल से किस्तों पर मोबाईल खरीदे गये थे। पुलिस मुख्यालय ने ऑनलाईन पोर्टल ष्टश्वड्ढक्र पर दर्ज गुम मोबाईलों की बरामदगी के लिये राज्य स्तर पर 10 जुलाई से 31 जुलाई तक विशेष अभियान %ऑपरेशन एन्टी वायरस चलाया है। इसी अभियान के तहतअब तक कुल एक सौ पच्चीस मोबाईल बरामदगी की गई। जिनकी वर्तमान अनुमानित कीमत लगभग कुल 32 लाख रुपए के आस-पास है। बरामद-शुदा मोबाईलों को पुलिस अधीक्षक तेजस्वनी गौतम ने लौटाये तो मोबाइल मालिकों के चेहरे खिल गए। शाम मीडिया के सामने ही एसपी ने ये मोबाइल उनके मालिकों के सुपुर्द किए।

कहां कितने मोबाइल जब्त

साईबर सैल कार्यालय के 57, पुलिस थाना कोटगेट के 20, पुलिस थाना साईबर के 13, पुलिस थाना नयाशहर के 10, पुलिस थाना श्रीडूंगरगढ के छह, पुलिस थाना एमपीनगर के छह, पुलिस थाना बीछवाल के चार, पुलिस थाना लूणकरनसर के दो, कालू के दो, कोलायत के दो, बज्जू का एक, नाल का एक, गजनेर का एक और पांचू का एक मोबाइल पुलिस ने बरामद किया है।

रोडवेजकर्मियों ने विधायक युनुस खान का पुतला फूंका, बयान का विरोध

बीकानेर। भाजपा के पूर्व मंत्री एवं वर्तमान में निर्दलीय विधायक युनुस खान का रोडवेज कर्मियों ने विरोध करते हुए पुतला फूंका। रोडवेज कर्मचारियों ने कहा कि विधायक खान ने पिछले दिनों लोक परिवहन बसों की पैरवी करते हुए रोडवेज को बंद करने के बयान दिए थे। इस प्रकार के रोडवेज विरोधी बयान कभी भी सहन नहीं किए जाएंगे। राजस्थान रोडवेज के श्रमिक संगठनों के संयुक्त मोर्चे के आह्वान पर किए गए इस विरोध प्रदर्शन में रोडवेज कर्मियों ने विधायक खान के खिलाफ नारेबाजी भी की। इस अवसर पर मोर्चे के एटक नेता श्यामदीन, सार्दुल दान, लक्ष्मीनारायण किराडू, डूंगरदान, हाजी मोहम्मद, रोशन अली, रिटायर्ड एसोसिएशन नेता हनुमंत मेहरा, देवीलाल नाई, गिरधारीलाल, किसन सिंह चौहान, रामेश्वर लाल खीचड़, जाहिद हुसैन,

राम कुम्हार, सीटू नेता मोहर सिंह सहित अन्य पदाधिकारी एवं कार्मिक मौजूद थे। संयोजक श्यामदीन एवं उप संयोजक गिरधारीलाल ने आरोप लगाया कि युनुस खान ने भाजपा कार्यकाल में भी रोडवेज को घाटा पहुंचाने के लिए निजी एवं लोक परिवहन बसों की पैरवी की थी।

कोटा डेयरी का दूध गर्म करने पर लाल होने की शिकायत, खाद्य सुरक्षा दल ने प्लांट से लिए नमूने

कोटा। शुद्ध आहार मिलावट पर वार अभियान के तहत खाद्य सुरक्षा दल ने शहर में दो जगह कार्रवाई की। टीम को वहां कोटा डेयरी की नीली थैली का दूध गर्म करने पर लाल होने की शिकायत मिली थी। इस पर खाद्य सुरक्षा दल ने कोटा डेयरी प्लांट से दूध के नमूने लिए। जो जांच के लिए प्रयोगशााला भेजे। खाद्य सुरक्षा दल के अधिकारियों का कहना है कि कंट्रोल रूम में कोटा डेयरी के दूध के मामले में लगातार शिकायतें आ रही थी। हालांकि, प्लांट के पंप के पानी के चलते ऐसी दिक्कत हुई थी। इस आधार पर कोटा डेयरी का निरीक्षण कर नीली थैली के दूध के 6 नमूने खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम के तहत लिए हैं। जो जांच के लिए खाद्य प्रयोगशाला भेजे हैं। रिपोर्ट आने पर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। कार्रवाई टीम में खाद्य सुरक्षा अधिकारी संदीप अग्रवाल, चंद्रवीर सिंह जादौन और नितेश गौतम शामिल रहे।

वहीं, मामले में कोटा डेयरी के

चेयरमैन चेन सिंह राठौड़ का कहना है कि दूध की सारी जांचे करवा ली है। जांच में किसी प्रकार की शिकायत नहीं आई है। कुछ लोग जान बूझकर डेयरी को बदनाम कर रहे हैं।

13 कट्टों में भरा 520 किलो मटर पाउडर : सीज खाद्य सुरक्षा दल ने चम्बल इंडस्ट्रियल एरिया में बेसन फैक्ट्री से 13 कट्टों में भरा 520 किलो मटर पाउडर सीज किया। जिनके कट्टों पर ब्रांड, बैच नम्बर, निर्माण तिथि और खाद्य पदार्थ का नाम अंकित नहीं था। सीएमएचओ डॉ. जगदीश सोनी ने बताया कि मिलावट की आंशका पर यह खाद्य सामग्री सीज की है। विक्रेता ने इसे नमकीन विक्रेताओं को सप्लाई करना बताया। टीम ने इसमें से एक नमूना प्रयोगशाला जांच कराने के लिए लिया। टीम ने वहीं से बेसन, चना दाल, मटर दाल व चावल के नमूने भी लिए।

एक साल और काम करेंगे संविदा टीचर्स

सरकारी इंग्लिश मीडियम स्कूल इस साल भी संविदा शिक्षकों के भरोसे ही रहेंगे

बीकानेर। प्रदेश के सरकारी इंग्लिश मीडियम स्कूल में काम कर रहे संविदा टीचर्स को एक साल और मिल गया है। उनकी संविदा अवधि खत्म हो रही है। लेकिन शिक्षा विभाग ने आदेश जारी करके उन्हें पद पर बनाए रखने के निर्देश दिए गए हैं। स्पष्ट है कि चालू नया शिक्षा सत्र भी इन टीचर्स के भरोसे ही अंग्रेजी माध्यम स्कूल संचालित होंगे।

कांग्रेस सरकार ने वर्ष 2023 में सहायक अध्यापक लेवल वन और लेवल टू के पद पर संविदा टीचर्स की भर्ती की थी। इस दौरान राज्यभर में सैकड़ों की संख्या में संविदा टीचर्स को नियुक्ति दी गई। इन सभी की संविदा अवधि एक वर्ष रखी गई थी।

अब ये संविदा अवधि खत्म हो रही है। ऐसे में माध्यमिक शिक्षा निदेशक आशीष मोदी ने आदेश जारी करके आगामी आदेश तक किसी भी संविदा टीचर को कार्यमुक्त नहीं करने के आदेश दिए हैं। ऐसे समस्त सहायक अध्यापकों को स्कूल में पहले की तरह उपस्थिति देनी होगी। उपस्थिति पंजिका में भी उनका नाम दर्ज होगा। निदेशक ने स्पष्ट किया है कि किसी भी संविदा टीचर को हटाया तो इसकी

सम्पूर्ण जिम्मेदारी स्कूल हेड मास्टर व प्रिंसिपल की होगी। जिला शिक्षा अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि वे अपने पूर्व नियुक्ति आदेशों का संदर्भ देते हुए ऐसे कार्यरत संविदा सहायक अध्यापकों को विद्यालय से कार्यमुक्त नहीं करने संबंधित आदेश जारी करेंगे।

महाजन में लाखों की अवैध शराब जब्त

नाकाबंदी में ट्रक को रोका, पुलिस ने खोलकर देखा तो शराब से भरा था

बीकानेर। बीकानेर पुलिस ने एक ट्रक से लाखों रुपए की अंग्रेजी शराब बरामद की है। ये शराब बीकानेर से गुजरात की ओर लेकर जा रहे थे। नाकाबंदी के दौरान पुलिस ने महाजन थाने के पास इस ट्रक को रोका तो शराब के कार्टन थे। ट्रक ड्राइवर को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। अब तक ये स्पष्ट नहीं हो पाया है कि शराब किसकी है और कहां जा रही थी। एसपी तेजस्वनी गौतम ने बताया-नाकाबंदी के दौरान एक ट्रक बीकानेर से जा रहा था। महाजन के पास नाकेबंदी के दौरान इस ट्रक को रोका गया तो उसमें कुछ सामान रखा हुआ था। ट्रक को खोलकर अंदर तक सामान चैक किया तो अंदर कार्टन भरे हुए थे। कार्टून खोलकर देखे तो अंदर शराब भरी थी। अंग्रेजी शराब की 850 पेटी पुलिस ने बरामद कर ली। पंजाब में निर्मित अवैध अंग्रेजी शराब के साथ ट्रक ड्राइवर पेमाराम पुत्र हनुमानराम जाति जाट उम्र 27 साल निवासी धारासर पुलिस थाना चोहटन जिला बाडमेर को गिरफ्तार किया

गया है। जिस पर आबकारी एक्ट के तहत प्रकरण पंजीबद्व किया जा रहा है। इस बरामदगी में पुलिस अधीक्षक की स्पेशल डीएसटी टीम की भूमिका रही।

स्कूली बच्चों को दी पाठ्य सामग्री

नोखा में ट्रस्ट ने की पहल, चार सौ से अधिक बच्चों की मदद की

नोखा। नोखा के किस्तुरचन्द बाहेती धर्मशाला ट्रस्ट की ओर से चरकड़ा गांव और ढाणियों स्थित तीन सरकारी स्कूलों करीब 434 स्कूली बच्चों को पाठ्य सामग्री का वितरण किया गया।

स्कूल स्टाफ ने ट्रस्टीजन का आभार व्यक्त किया। इस दौरान ट्रस्ट के अध्यक्ष भोजराजजी बैद के सान्निध्य में चरकड़ा सरपंच सवाईसिंहजी राठौड़, पंचायत समिति सदस्य भोमाराम पंवार, मूलसिंह राजपूत, ट्रस्टी उम्मेदसिंहजी राठौड़, अमरचन्दजी मुणोत, ट्रस्ट के मैनेजर गोपालचन्द पारख, एम्बूलेंस चालक लालचन्द उपाध्याय, धर्मशाला प्रभारी हरिराम भादू और जेठाराम शर्मा मौजूद थे। इससे पूर्व ट्रस्ट की ओर से नोखा, रोड़ा, उदासर, पांचु, श्रीबालाजी व चरकड़ा में गरीब व असहाय लोगों को 250 कंबल व 140 शिक्षण सामग्री किट का करीब स्कूली बच्चों को का वितरण किया गया था।

भाजपाइयों ने आलनिया मंदिर परिसर में पौधे रोपे

मंडाना। मंडाना. भाजपा मंडल मंडाना की बैठक आलनिया मंदिर परिसर में हुई। मुख्य अतिथि विपिन योगी रहे एवं मंडल अध्यक्ष हुकुमचंद शर्मा ने अध्यक्षता की। बैठक में युवा मोर्चा जिला उपाध्यक्ष यधवरसिंह चारण ने राजनैतिक प्रस्ताव कार्यकर्ताओं के समक्ष रखा। प्रस्ताव का जिला कार्यसमिति सदस्य अमरसिंह हाड़ा व युवा मोर्चा मंडल अध्यक्ष आदित्य पाठक ने अनुमोदन किया।

इस मौके पर एक पौधा देश के नाम, एक पौधा मां के नाम अभियान के तहत पौधरोपण भी किया गया। इस मौके पर मंडल महामंत्री अरविंद जैन, तेजेश शर्मा, किसान मोर्चा जिला उपाध्यक्ष प्रेमराज, किसान मोर्चा मंडल अध्यक्ष सत्यनारायण, महिला मोर्चा मंडल अध्यक्ष सुनीता मीणा, एसटी मोर्चा मंडल अध्यक्ष जगदीश मीणा, उपाध्यक्ष गिर्राज रायका, गोविंद गुर्जर, मुकेश, जयकिशन मीणा, मुकेश, जगन्नाथ चौरसिया, गोपाल शर्मा, पूर्व सरपंच दुर्गालाल मीणा, शंकर चारण सहित कई कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

देवस्थान विभाग: इस साल प्रदेश के 9 मंदिरों के होंगे ऑनलाइन दर्शन, इसमें बीकानेर का नागणेचीजी मंदिर भी शामिल हुआ

बीकानेर। देवस्थान विभाग इस वर्ष भी प्रदेश के 9 मंदिरों में ऑनलाइन दर्शन की व्यवस्था की है। कोरोना कॉल के बाद जयपुर के ऋषभदेव और हनुमानगढ़ के गोगामेड़ी मंदिर में ऑनलाइन दर्शन करवाने की शुरुआत की गई थी। ऑनलाइन दर्शन के पीछे लोगों के आकर्षण को देखते हुए पिछले वर्ष देवस्थान विभाग ने इन दो मंदिरों सहित आठ अन्य मंदिरों में ऑनलाइन दर्शन करने की व्यवस्था शुरू करवाई। जो अप्रैल 2024 में शुरू हो पाई। जब 8 मंदिरों में ऑनलाइन दर्शन शुरू हुए तब तक पहले से चलने वाले दो मंदिरों के ऑनलाइन दर्शन की व्यवस्था के टेंडर खत्म हो गए।

अप्रैल 2024 में शुरू किए गए ऑनलाइन दर्शनों के मामले में लोगों ने भरतपुर के बिहारीजी मंदिर को चुना। इस मंदिर में अब तक 21 हजार 629 लोगों ने बांके बिहारी के ऑनलाइन दर्शन कर लिए जबकि सबसे कम अलवर के मथुराधीश मंदिर के। इस मंदिर में 4 महीनों में मात्र 217 लोगों ने ही ऑनलाइन दर्शन किए। बीकानेर के नागणेचीजी माता के ऑनलाइन

दर्शन करने वाले लोगों की संख्या 983 हैं। इन मंदिरों के अलावा विभाग की ओर से मंदिर कैलादेवी झील का बाड़ा बयाना भरतपुर, मंदिर माताजी मावलियान आमेर जयपुर, नीमच माता उदयपुर, नागणेचीजी माता मंदिर बीकानेर, बृजनिधि चांदनी चौक जयपुर, बिहारी भरतपुर एवं मथुराधीश अलवर में ऑनलाइन दर्शन की व्यवस्था की गई है।

2024 में विभाग ने रातानाडा जोधपुर के गणेश मंदिर और बरसाना के कुशल बिहारी मंदिर को और शामिल किया है जबकि इस साल ऑनलाइन दर्शन करवाने वाले मंदिरों में गोगागेड़ी मंदिर और ऋषभदेव मंदिर को शामिल ही नहीं किया है। ऋषभदेव और गोगामे?ड़ी मंदिर में अब ऑनलाइन दर्शनों की व्यवस्था नहीं 2021 में देवस्थान विभाग ने जयपुर के ऋषभदेव भगवान और हनुमानगढ़ के गोगामे?ड़ी मंदिर में ऑनलाइन दर्शन की व्यवस्था शुरू की थी लेकिन वित्तीय वर्ष 2024 शुरू होते ही इन मंदिरों में ऑनलाइन दर्शन की व्यवस्था बंद हो गए।

विभाग के अधिकारियों के अनुसार देवस्थान विभाग ने 2021 में कोरोना कॉल में सबसे पहले जयपुर के भगवान ऋषभदेव और हनुमानगढ़ स्थित गोगागेड़ी मंदिर में ऑनलाइन दर्शन की व्यवस्था की गई थी। तीन-तीन साल के लिए ऑनलाइन दर्शन कराने के टेंडर किए थे लेकिन मार्च 2023 से यह टेंडर खत्म हो गए। विभाग पुरानी रेट पर काम करवाना चाहता है उसके लिए कोई ठेकेदार तैयार नहीं है। इसलिए अब नए टेंडर नहीं हुए। इस कारण इन दोनों मंदिरों में अभी ऑनलाइन दर्शन नहीं करवाए जा रहे हैं। सबसे अधिक भरतपुर के बिहारी मंदिर और सबसे कम अलवर के मथुराधीश मंदिर के हुए ऑनलाइन दर्शन पिछले साल बजट में घोषित 8 मंदिरों में सबसे अधिक ऑनलाइन दर्शन करने वाले मंदिर में भरतपुर के बिहारी मंदिर का नाम शामिल है।

देश-विदेश के इस मंदिर के 21629 लोगों ने दर्शन किए जबकि अलवर के मथुराधीश मंदिर के दर्शन मात्र 217 लोगों ने ही किए हैं। इसके अलावा बीकानेर के नागणेचीजी मंदिर में 983 लोगों ने, जयपुर के माताजी मवालियन मंदिर में 656 लोगों ने, जयपुर के ब्रिजनिधि मंदिर में 1319 लोगों ने, उदयपुर के नीमचमाता देवली मंदिर में 1548, कुशल बिहारी मंदिर में 1959 और कैलादेवी मंदिर में 1384 लोगों ने ऑनलाइन दर्शन किए।

जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक हुआ आयोजन

द पुलिस पोस्ट

भीलवाड़ा, जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक सोमवार को अतिरिक्त जिला कलक्टर वंदना खोरवाल की अध्यक्षता में आयोजित हुई। बैठक में विपरीत दिशा से आने वाले वाहन चालकों तथा ओवर स्पीडिंग करने वालों के विरुद्ध चालान की कार्यवाही के लिए निर्देश दिए गए। बैठक के दौरान सदस्य सचिव सार्वजनिक निर्माण विभाग के पीआर मीणा ने पूर्व बैठक में लिए गए निर्णयों की विभागवार अनुपालना रिपोर्ट से अवगत कराया। बैठक में शहर की विभिन्न सड़को चौराहों पर लगी हुई ट्रैफिक लाईटों के सुचारू रूप से संचालन जेबरा क्रॉसिंग, लाइनिंग आदि लगवाने हेतु नगर परिषद व नगर विकास न्यास को अपने अपने क्षेत्र में रख-रखाव करने के निर्देश प्रदान किये गये। बैठक के दौरान एडीएम खोरवाल ने जिले से गुजरने वाले नेशनल एवं स्टेट हाईवे व शहरी क्षेत्र में नो पार्किंग जोन में वाहन को खड़े करने वाले वाहन चालकों को समझाईश कर चालान करने के निर्देश प्रदान किये गये। जिले में संचालित एवं खनिज क्षेत्र में चल रही ट्रैक्टर ट्रॉलियों पर रिफ्लेक्टर टेप लगाने हेतु कैम्प आयोजित कर परिवहन पुलिस एवं

खनिज विभाग को संयुक्त अभियान चलाने के निर्देश प्रदान किये गये। सभी नेशनल एवं स्टेट टोल बूथ पर ही रिफ्लेक्टर टेप लगाने एवं रात्रि में एनएच व अन्य सड़को पर दुर्घटनाओं को रोकने बाबत पेट्रोलिंग पार्टी द्वारा निराश्रित पशुओं को हटाने के भी निर्देश दिये गये। बैठक में चर्चा की गई कि शहर की सड़कों और चौराहों पर ऑटो बेतरतीब ढंग से खड़े रहते हैं जिनके कारण दुघर्टनाओं का अंदेशा हमेशा बना रहता है। प्रभारी यातायात ने अवगत कराया कि शहर में ऑटो स्टैंड हेतु 15 जगह चिन्हित कर सूची उपखण्ड अधिकारी को भिजवाई गई है। बैठक में डीटीओ तथा सीडीईओ को स्कूली छात्र छात्राओं को यातायात नियमों की जानकारी देने के निर्देश दिए। साथ ही सीएमएचओ को गुड सेमेरिटन योजना के प्रचार के संबंध में निर्देशित किया गया। सरकारी एवं गैर सरकारी चिकित्सालयों को अधिक से अधिक में व्यापक प्रचार-प्रसार एवं जिला कलेक्ट्रेट कार्यालय में योजना संबंधी बैनर लगाने के निर्देश दिये गये। जिला परिवहन अधिकारी गौरव यादव ने बताया कि जिला मुख्यालय के विभिन्न शिक्षण संस्थानों के छात्र-छात्राओं को ट्रेफिक पार्क का भ्रमण करवाया जाकर उन्हे सड़क सुरक्षा एवं यातायात नियमों के सम्बन्ध में जानकारी प्रदान की जा रही हैं तथा सड़क सुरक्षा के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए प्रेरित किया जा रहा हैं एवं ट्रैफिक पार्क में यातायात नियमों की जानकारी प्रदान करने हेतु निर्देश दिये गये। आईरेड सॉफ्टवेयर पर प्रविष्टियों का तत्काल निस्तारण, ट्रेक्टर, ट्रोलियों पर रिफ्लेक्टर टेप लगाने के निर्देश प्रदान किये गये। यातायात पुलिस एवं परिवहन विभाग द्वारा यातायात नियमों की अवहेलना करने पर चालकों के विरूद्व कार्यवाही के निर्देश दिये गये व प्रभारी यातायात शाखा द्वारा नो-पार्किंग एरिया में खड़े वाहनों को जब्त करने के लिए हाईड्रोलिक क्रेन उपलब्ध कराने के लिए नगर परिषद के अधिकारी को आवश्यक निर्देश दिये गये। अतिरिक्त जिला कलक्टर ने अतिक्रमण हटाए जाने के लिए नियमित रूप से ड्राइव चलाने के निर्देश दिए। आवारा पशु को सड़को से हटाने का अभियान चलाने के संबंध में नगर परिषद को निर्देश प्रदान किये गए।

राजस्थान में कांवड़ियों पर बरसाए डंडे:दुकानों गाड़ियों में तोड़फोड़ पुलिस बोली जनाना कुंड की ओर आ गई थी पुरुषों की भीड़

द पुलिस पोस्ट

झुंझुनूं। लोहार्गल धाम पहुंचे कांवड़ियों को पुलिस ने दौड़ा-दौड़ाकर पीटा। रविवार रात करीब एक बजे स्नान करने के लिए कांवड़ियों की भीड़ उमड़ पड़ी। बेकाबू पुरुषों की भीड़ जनाना कुंड तक पहुंच गई। महिलाएं स्नान नहीं कर पा रही थीं। हालात बिगड़ते देख पुलिस ने लाठियां भांजी। इससे गुस्साए कांवड़ियों ने जमकर उत्पात मचाया। दुकानों और गाड़ियों में तोड़फोड़ शुरू कर दी। उधर, जयपुर के सांभर लेक थाने में कांवड़ियों को कॉन्स्टेबल ने थप्पड़ जड़ दिया। इससे हंगामा शुरू हो गया। कॉन्स्टेबल को लाइन हाजिर किया गया है।

बड़ी संख्या में आते हैं कांवड़िए

गोठड़ा के थानाधिकारी कमलेश कुमार ने बताया- जिला मुख्यालय से करीब 70 कि?लोमीटर दूर गोठड़ा इलाके में लोहार्गल धाम है। यहां सूर्यकुंड है। हर सोमवार को बड़ी संख्या में जल भरने यहां कांवड़िए आते हैं। इसके लिए रविवार रात से ही भीड़ जुटनी शुरू हो जाती है। ये कांवड़िए पहले स्नान करते हैं, फिर जल भरकर कांवड़ ले जाते हैं।

पर्याप्त संख्या में नहीं थी पुलिस

लोहार्गल धाम में मुख्य कुंड से 20 मीटर की दूरी पर जनाना कुंड है। मुख्य कुंड में कांवड़ियों की इतनी भीड़ हो गई कि महिलाओं को परेशानी होने लगी। वह स्नान नहीं कर पा रही थीं। आरोप है कि तमाम युवा कांवड़िए जनाना कुंड की ओर आ गए थे। भीड़ संभालने के लिए पर्याप्त संख्या में पुलिस बल नहीं था। इससे भीड़ काबू नहीं हो रही थी।

पुलिस ने सख्ती की तो भड़के कांवड़िए

पुलिस ने सख्ती की और स्नान कर रहे कांवड़ियों को कुंड से निकालने का प्रयास किया। इस दौरान एक-दो कांवड़ियों पर लाठी भी चलाई। इससे कांवड़िए भड़क गए। उन्होंने वहीं धाम पर तोड़फोड़ और वॉलंटियर्स के साथ मारपीट शुरू कर दी। इसके बाद बाहर जाकर गोलियाना सर्किल पर आधा दर्जन से अधिक दुकानों और गाड़ियों में तोड़फोड़ की। इससे सीकर रोड पर जाम लग गया।

वीडियो सामने आए

मारपीट के कई वीडियो भी सामने आए हैं। इसमें कुछ युवक लाठी से मारपीट करते हुए नजर आ रहे हैं। दूसरे वीडियो में कुछ पुलिसकर्मी कुंड में स्नान कर रहे युवकों पर लाठी बरसाते हुए दिख रहे हैं। पुलिस का एक जवान कुंड में नहा रहे युवक को लाठी से पीटता हुआ दिख रहा है।

पुलिस ने लाठीचार्ज से इनकार किया

गोठड़ा थानाधिकारी कमलेश कुमार ने बताया- बड़ी संख्या में युवा नहाने के लिए कुंड में कूद गए। युवकों को समझाया गया, लेकिन वे नहीं माने। अव्यवस्था का माहौल बना दिया। पुलिसकर्मियों ने समझाकर उन्हें कुंड से बाहर निकाला। लाठीचार्ज जैसी कोई बात नहीं है। मामले की जांच करवा रहे हैं।

एसपी बोले- फिलहाल शांति है

झुंझुनूं एसपी राजर्षि राज वर्मा ने सोमवार दोपहर लोहार्गल तीर्थ का विजिट किया और रात की घटना के बारे में जानकारी ली। इसके बाद उन्होंने कहा- कल रात भीड़ बढ़ गई थी। कुंड में पुरुष और महिला का स्नान करने का स्थान अलग है। कुछ असामाजिक तत्व महिलाओं के स्नान करने वाले स्थान पर जाने का प्रयास कर रहे थे। जवानों ने समझाया। अनाउंस किया कि वहां नहीं जाएं, वह महिलाओं के स्नान करने का स्थान है, लेकिन वे बात समझे नहीं। उन्हें हटाने के लिए हल्का बल प्रयोग किया। इसके बाद उन्होंने आरएसी जवान के साथ झड़प की। आरएसी जवान के साथ झड़प मामले में मुकदमा दर्ज किया है। वीडियो रिकॉर्डिंग है। विधि सम्मत कार्रवाई करेंगे। कल रात ही मामला नॉर्मल हो गया था। अभी शांति है। हम जाब्ता बढ़ाएंगे। मंदिर कमेटी के साथ बैठकर बैरिकेडिंग, रस्सी लगाना आदि काम करेंगे ताकि भविष्य में अव्यवस्थाएं न हों।

लोहार्गल धाम का जिक्र है पुराणों में

लोहार्गल धाम का जिक्र पुराणों में भी है। यह धाम शेखावाटी (राजस्थान) इलाका स्थित झुंझुनूं जिले के नवलगढ़ तहसील क्षेत्र के आड़ावल पर्वत घाटी में है। उदयपुरवाटी कस्बे से करीब 10 किमी की दूरी पर यह धाम है। ह्यलोहार्गलजीह्न को स्थानीय अपभ्रंश भाषा में लुहागरजी कहा जाता है। सूर्य कुंड को लेकर धार्मिक मान्यताएं हैं। इस कुंड के कारण ही तीर्थ का नाम लोहार्गल पड़ा। इसका अर्थ है- जहां लोहा गल जाए। राजस्थान में यह पुष्कर के बाद दूसरा सबसे बड़ा तीर्थ माना जाता है। इस तीर्थ का सम्बन्ध पांडवों, भगवान परशुराम, भगवान सूर्य और भगवान विष्णु से है। झुंझुनू में यह उदयपुरवाटी कस्बे के पास अरावली की पहाड़ियों में है। भाद्रपद मास में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी से अमावस्या तक हर साल श्रद्धालु लोहार्गल की परिक्रमा करते हैं। अमावस्या पर सूर्य कुंड में स्नान के साथ परिक्रमा पूरी होती है।

पौराणिक मान्यता- पांडवों के हथियार पिघल गए थे

पौराणिक मान्यता के मुताबिक- महाभारत का युद्ध समाप्त होने के बाद पांडव अपने परिजनों की हत्या के पाप से चिंतित थे। श्रीकृष्ण ने उन्हें बताया कि जिस तीर्थ स्थल के पानी में तुम्हारे हथियार गल जाएंगे, वहीं तुम्हें पाप से मुक्ति मिलेगी। ऐसे तीर्थ की तलाश में पांडव घूमते-घूमते लोहार्गल आए। यहां सूर्य कुंड में स्नान करने से उनके सारे हथियार गल गए। इसके बाद उन्होंने भगवान शिव की आराधना की। यह भी माना जाता है कि यहां भगवान विष्णु ने शंखासुर नाम के राक्षस का संहार करने के लिए मत्स्य अवतार लिया था।

अयोध्या दर्शन यात्रीयो का स्वागत पौधा-रस्म से पर्यावरण प्रेमी ओमप्रकाश कुमावत

द पुलिस पोस्ट

शिवगंज पोसालिया विश्व प्रकृति संरक्षण दिवस की थीम लोगों को पौधा से जोड़ना अनुठी पहल पोसालिया समीपवर्ती गांव बारेवडा में विश्व प्रकृति संरक्षण दिवस उपलक्ष 2024 की थीम ₹लोगों को पौधौ से जोड़ना ₹तहत राष्ट्रीय ब्रांड एम्बेसडर पर्यावरण प्रेमी ओमप्रकाश कुमावत ने गोकुल , मथुरा, वृदांवन , काशी विश्वनाथ,अयोध्या दर्शन यात्रीयो का स्वागत किया। इस अवसर अयोध्या दर्शन यात्री टीम नेनाराम कुमावत,केसी बाई,अनु बाई, गीता देवी को पर्यावरण प्रेमी ओमप्रकाश कुमावत के गमले में तुलसी का पौधा रोपित कर 51 औषधीय पौधे वितरण का संकल्प दिलवाया। जय श्री राम के जयकारों के सोनाराम कुमावत ने व शांति देवी तिलक व माला पहनाकर बारेबडा पहुंचने पर स्वागत किया गया इस अवसर पर पर्यावरण प्रेमी दंपति विमला देवी -ओमप्रकाश कुमावत पौधा रोपित करने बाद बताया विश्व प्रकृति संरक्षण दिवस की थीम पर लोगों को पौधे से जोडने के लिए अनुठी पहल की , ग्राम वासियों में पौधा-रस्म चर्चा का विषय रहा। कोरोना काल से एक व्यक्ति एक पौधा मिशन औषधीय पौधे को बढ़ावा दे रहे।

लायंस क्लब का दल पवित्र जल लेकर पहुंचा विजयनगर

द पुलिस पोस्ट

बिजयनगर ब्यावर। पवित्र सावन माह में भगवान शिव की भक्ति व आराधना करने के लिए लायंस क्लब विजयनगर का दल सोमवार को पुष्कर से कावड़ में पुष्कर सरोवर का पवित्र जल लेकर बिजयनगर पहुंचा। बापू बाजार स्थित गौरी शंकर नीलकंठ महादेव पर भगवान भोलेनाथ का अभिषेक किया जाएगा। कांवड़ पदयात्रियों क्लब अध्यक्ष डॉ अमित उपाध्याय ,कोषाध्यक्ष चंद्रशेखर शर्मा, संस्थापक अध्यक्ष सुधीर गोयल, पूर्व अध्यक्ष नवीन कुमार सोनी ,, सुधीर शर्मा, सुभव शरण आचार्य इत्यादि का क्लब सदस्यो व नगरवासियों ने बेंड बाजो के साथ माल्यार्पण कर स्वागत किया।

बारां में नाबालिग से रेप के विरोध में पंजाबी समाज ने किया प्रदर्शन

मुख्यमंत्री के नाम तहसीलदार को सौंपा ज्ञापन

द पुलिस पोस्ट

हिंडौन सिटी। बारां जिले के निजी स्कूल में नाबालिग छात्रा से हुए रेप की घटना के विरोध में सोमवार को यहां पंजाबी, खत्री समाज के लोगों ने विरोध प्रदर्शन किया और मुख्यमंत्री के नाम तहसीलदार को ज्ञापन सौंपा। समस्त पंजाबी खत्री सभा, हिंडौन के संयोजक हेमंत खत्री ने बताया कि गत दिनों बारां जिले के एक निजी स्कूल की कक्षा 6 में पढ़ने वाली 13 साल की बालिका से रेप की घटना हुई। इस प्रकरण में बारां जिले की पुलिस ने अभी तक अभियुक्त के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की है। अपराधियों की ओर से पीड़ित पक्ष को लगातार धमकी भी दी जा रही है। इसके बाद भी पुलिस ने अभियुक्तों की गिरफ्तारी नहीं की है और पीड़ित पक्ष को सरकारी संरक्षण नही मिल रहा है। इससे समस्त पंजाबी-खत्री समाज में गहरा रोष व्याप्त है। समस्त पंजाबी-खत्री सभा से जुड़े संयोजक हेमंत खत्री के साथ भीमसेन गेरा, चंद्रभान चोटमुरादा, बंशीधर मेंहदीरत्ता, गंगाराम बडेजा, दीनबंधु खत्री, मुकेश चौपड़ा, प्रवीण अरोड़ा, अशोक पंजाबी, रिंकू राजपाल, काके पंजाबी सहित बड़ी संख्या में समाज के लोग सोमवार को यहां उपजिला कलेक्टर कार्यालय परिसर में एकत्र हुए और पीड़िता को न्याय दिए जाने की मांग को लेकर प्रदर्शन किया। इस दौरान तहसीलदार को मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा गया।

प्रिण्टर्स एसोसियेशन का वार्षिक भ्रमण एवं स्नेहमिलन

द पुलिस पोस्ट

शिवगंज: प्रिंटिंग लाईन से जुडे शिवगंज-सुमेरपुर के समस्त प्रिन्टर्स, ग्राफिक डिजाइनर्स व बाइण्डर्स का ह्यह्यश्रावण माहह्नह्न में वार्षिक भ्रमण व स्नेह मिलन आयोजित किया । इस वर्ष वार्षिक भ्रमण व स्नेहमिलन उदयपुर के पास सुरम्य व हरी भरी पहाडियों के बीच श्री झामेश्वर महादेवजी मंदिर में रखा गया । देर रात्रि को रवाना होकर सभी सदस्य अलसुबह श्री झामेश्वर महादेवजी मंदिर पहुँचकर स्नानादि के पश्चात सभी ने भोलेनाथजी व रामभक्त हनुमानजी के दर्शन कर खुशहाली की कामना की । वहाँ से प्रस्थान कर उदयपुर के नजदीक ही पहाडों में स्थित श्री कुकडेश्वर महादेवजी के दर्शन कर वहाँ चारों तरफ छाई हरियाली, पेड-पौधों, कलकल करते झरनों व बहते पानी को निहारते हुए प्रकृति का आनन्द लिया । तत्पश्चात वहाँ से प्रस्थान कर पुराना श्रीनाथजी मंदिर में पहुँकर सभी ने श्रीनाथजी के दर्शन लाभ लिया और वापसी में पिण्डवाडा के आगे पहाडियों में स्थित श्री रामेश्वर महादेवजी का भी सभी सदस्यों ने दर्शन लाभ लिया और पवित्र श्रावण माह, शांत वातावरण, हरे-भरे पेड-पौधे व फूलों से आच्छादित, नदी में कलकल करते साफ-स्वच्छ पानी व बहते झरनें व भोलेनाथ मंदिर के पवित्र प्रांगण में सभी सदस्यों ने राजस्थानी भोजन दाल-बाटी-चुरमा का भोलेबाबा को भोग के पश्चात भोजन ग्रहण किया । कोषाध्यक्ष सुरेश माली ने आय-व्यय का ब्यौरा पेश किया एवं सचिव दीपक अग्रवाल ने कहा कि संगठन हो या समाज सभी को एकता के साथ रहना चाहिये, एकजुटता ही समाज, संगठन को मजबूती प्रदान करती है और तरक्की भी । संगठित होकर ही सामाजिक, व्यवसायिक उँचाइया हासिल की जा सकती है और समाज व राष्ट्र में खुशहाली भी । श्यामलाल परमार, दीपक अग्रवाल, सुरेश माली, नरेश देवेरा, जयेश, सुरेन्द्रकुमार, राजेन्द्र अग्रवाल, भँवर सुथार, शैतानसिंह, छगन माली, प्रवीणकुमार, जीवाराम, राकेशकुमार, दीलिपकुमार, नेमाराम, इन्द्रमल, रमेशकुमार, दीपक वैष्णव, दीलिप सुथार, भावेश सुथार, दीलिपकुमार, मुकेशकुमार, उपस्थित थे ।

11वें रक्तदान शिविर में 101 यूनिट रक्त संग्रहित

द पुलिस पोस्ट

लायंस क्लब विजयनगर क्लासिक एवं लियो क्लब बिजयनगर क्लासिक यूथ द्वारा विनोद कुमार मुणोत की पुण्य स्मृति में 11वां रक्तदान शिविर 29 जुलाई ,सोमवार को स्थानीय जामोला फैक्ट्री गली स्थित कुंदकुंद कॉम्प्लेक्स में आयोजित किया गया। जिसमें 101 यूनिट रक्त एकत्रित हुआ। शिविर में रामस्नेही ब्लड बैंक,भीलवाड़ा ने सराहनीय सेवाएं दी। शिविर का शुभारंभ सकल दिगंबर जैन समाज बिजयनगर के अध्यक्ष प्रभाचंद बड़जात्या,सचिव टीकमचन्द शाह, लायंस क्लब के क्षेत्रीय अध्यक्ष लायन निहालचंद मुणोतव संदीप सांखला द्वारा किया गया। रक्तदान शिविर प्रभारी लायन गौतम श्रीश्रीमाल ने बताया कि रक्तदान शिविर सुबह 9:00 से दोपहर 2:00 बजे तक आयोजित हुआ। जिसमें 101 यूनिट रक्त संग्रहित किया गया। रक्तदान प्रभारी श्रीश्रीमाल बताया कि रक्त संग्रहण में मातृशक्ति का भी 10 यूनिट सहयोग रहा। अध्यक्ष लायन अंशुल गोधा ने बताया कि शिविर के दौरान सभी रक्तदाताओं को क्लब द्वारा प्रशस्ति-पत्र देकर सम्मानित किया गया। उन्होंने बताया कि शिविर में लियो क्लब के नितिन रुनीवाल,संयम कासलीवाल, श्रेयांस कासलीवाल, गौतम महावर,सुयश अग्रवाल ने अपना रक्त देकर शिविर में सहयोग प्रदान किया, शिविर के समाजसेवी केडी मिश्रा,एचडीएफसी बैंक व वैभव मुणोत जेएमडी फाइनेंस कंपनी के मेंबर्स का का सराहनीय सहयोग रहा व पी.एन फिटनेस भीलवाड़ा के नेहा जी अग्रवाल के द्वारा लगभग डेढ़ सौ मेंबर की हेल्थ का चेकअप भी किया गया व उन्हें निम्न सुझाव भी दिये गए। शिविर में लायंस क्लब के क्षेत्रीय अध्यक्ष लायन निहालचंद मुणोत, अध्यक्ष लायन अंशुल गोधा,सचिव लायन कमलेश पाटनी, कोषाध्यक्ष लायन प्रकाश जोगड़,शिविर प्रभारी लायन गौतम श्रीमाल, पूर्व रीजन चेयरमैन लायन दीपक माहेश्वरी,पूर्व क्षेत्रीय अध्यक्ष लायन संजय महावर, क्लब के पूर्व अध्यक्ष लायन अरिहंत लोढ़ा,लायन शेखर सांड,लायन पंकज जैन,लायन राकेश जैन, लायन सुरेश अग्रवाल,लायन महावीर जैन,लायन राहुल छाजेड,लायन पंकज बाबेल,लायन राकेश रांका,लायन महावीर भटेवड़ा,लायन राहुल छाजेड़ लायन आशीष पाटोदी,लायन नरेन्द्र पीपाड़ा,लायन मुकेश जैन,लायन पंकज पीपाड़ा,लायन राजेंद्र लोढ़ा ,लायन त्रिलोक मुन्दड़ा, लायन मानव बोरदिया, लायन शोभित तातेड सहित लायंस क्लब के सदस्यों का सहयोग रहा। शिविर समापन से पूर्व क्लब सचिव लायन कमलेश पाटनी ने रक्त संग्रहण टीम,रक्तदाताओं एवं क्लब के सभी सदस्यों का आभार व्यक्त किया।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक संपादक उपेन्द्रसिंह राठौड़, अम्बर ऑफसेट प्रा।लि।डीएल टॉवर, 3ए, विद्याश्रम संस्थानिक क्षेत्र जेएलएन मार्ग जयपुर से मुद्रित एवं भू-तल ऑरबिट मॉल, सिविल लाइंस, जयपुर (राजस्थान) से प्रकाशित, 99280-96524, पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार, अनिल मलिक (सहसंपादक) 8696750000, पंकज गर्ग (प्रबंध संपादक) 01482-455184, 9214417111